सोने एवं चांदी आभूषणों के विक्रेता
माँ दुर्गा ज्वेलर्स
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

Akashdeep Complex
Supela, Bhilai
बेचना है
1st Floor
350 Sq.Ft.
Shop No.-132, 133
Contact - 9826600107
मीत ऑप्टिकल्स

वर्ष- 15 अंक - 121 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 13 फरवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

15 जवानों की हत्या के दोषी चार नक्सलियों को हाईकोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले की एक विशेष अदालत ने सोमवार को 2014 में टाहकवाड़ा गांव में हमले के दोषी चार नक्सलियों डीआर देवांगन ने महादेव नाग, कवासी जोगा, मनीराम मदिया और दयाराम बघेल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। हमले में 15 सुरक्षाकर्मी और एक नागरिक मारे गए थे। विशेष न्यायाधीश को आईपीसी, यूएपीए, विस्फोटक और शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत दोषी ठहराया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

लंदन से महुआ प्रोसेसिंग यूनिट लगाने जगदलपुर आए एनआरआई की संदिग्ध मौत

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में एक 70 वर्षीय एन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सर्किट हाउस में एनआइआइ का शव बमराद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि एनआरआइ लंदन से बस्तर महुआ प्रोसेसिंग यूनिट लगाने आया था।

जानकारी के अनुसार भारतीय मूल के इंग्लैंड निवासी अनिल कुमार पटेल (70) सप्ताह भर पूर्व यहां आए थे। वह बस्तर में महुआ के बारे में शोध कार्य कर रहे थे। पुलिस के अनुसार सोमवार तड़के जब वह अपने कमरे से नहीं उठे तो रेस्ट हाउस के कर्मचारी वहां पहुंचे। उन्हें मृत पड़ा देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मर्ग कायम कर पुलिस जांच में जुटी है।

भारतीय थल सेना में 'अग्निवीर भर्ती' हेतु आवेदन की तिथि 13 फरवरी से 22 मार्च तक

रायपुर। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के मुताबिक अग्निवीरों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की जा चुकी है जो भारतीय सेना की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध है।

अग्निवीर की भर्ती जनरल, तकनीकी, क्लर्क, ट्रेडमैन (8वीं एवं 10वी कक्षा उत्तीर्ण) महिला सैन्य पुलिस और रेगुलर कैडर भर्ती धर्मगुरु, नर्सिंग सहयोगी और हवलदार एस.ए.सी के पदों के लिए जारी की गई है। सेना में भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 13 फरवरी से 22 मार्च 2024 तक खुली रहेगी। अग्निवीर क्लर्क के पद का नाम परिवर्तित किया गया है, अब उसे अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंट कहा जाएगा। अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंट के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन परीक्षा (सीईई) के समय टाइपिंग टेस्ट भी देना होगा। ऑनलाइन परीक्षा (सीईई) 22 अप्रैल 2024 के बाद होने की संभावना है। किसी भी अन्य जानकारी और समस्या के लिए सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के टेलीफोन नंबर 0771-29652212 या 0771-2965213 पर संपर्क करें।

किसान आंदोलन हुआ बेकाबू, पुलिस ने ड्रोन से दागे आंसू गैस के गोले

नई दिल्ली। अपनी मांगों को लेकर किसान एक बार फिर आंदोलित हुए हैं। किसान नेताओं ने दिल्ली कूच का ऐलान किया था, जिसके बाद दिल्ली की सीमाओं को सील कर दिया गया। बावजूद इसके हजारों की संख्या में किसान दिल्ली की सीमाओं पर पहुंचे। हालांकि किसान नेताओं ने शांतिपूर्ण आंदोलन करने की बात कही थी, लेकिन एक बार फिर उनके उग्र बर्ताव देखने को मिला, जिसके बाद उन पर ड्रोन के जरिए आंसू गैस के गोले दागे गए। कानून व्यवस्था के मद्देनजर दिल्ली में धारा 144 पहले ही लागू कर दी गई थी।

कल देर रात तक केंद्रीय मंत्रियों और किसान नेताओं के बीच बैठक चली। सरकार ने आंदोलन पर अड़े अन्नदाताओं को समझाने की हर संभव कोशिश की लेकिन 5 घंटे से ज्यादा चली बैठक बेनतीजा रही। उसके बाद किसान नेताओं ने आर-पार की जंग का ऐलान करते हुए कह दिया कि दिल्ली कूच होकर रहेगा। गाजीपुर, सिंघु, शंभू, टिकरी समेत सभी बॉर्डर को छावनी में तब्दील किया गया है। वहीं, पुलिस ने भी पहले ही साफ कर दिया था कि, किसानों की आड़ में उपद्रवियों ने अगर कानून व्यवस्था में खलल डालने की कोशिश की तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। किसानों के पिछले आंदोलन से सबक लेते हुए इस बार पुलिस और बलों को बड़ी संख्या में तैनात किया गया था। दिल्ली की सीमाओं को सील किए जाने के बाद किसानों में बेहद नाराजगी भी देखने को मिली और हालात लगातार बेकाबू होते नजर आए। किसानों ने पुलिस पर पथराव भी किया।

किसानों को मनाने के लिए सोमवार को करीब पांच घंटे लंबी वार्ता चली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अर्जुन मुंडा इस बैठक में शामिल थे। लेकिन किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी चाहते थे। इसी पर बात बिगड़ गई। हालांकि सरकार की ओर से केन्द्रीय मंत्री ने एक समिति बनाने और उसके सुझावों पर अमल करने की बात कही, लेकिन किसान नेताओं का कहना था कि दो साल पूर्व हुए आंदोलन को सरकार से मिले आश्वासन के बाद समाप्त किया गया, लेकिन सरकार ने दो साल तक कुछ भी नहीं किया।

कल केन्द्र सरकार के साथ वार्ता विफल होने के बाद किसान नेताओं ने आर-पार की जंग का ऐलान करते हुए कह दिया कि, दिल्ली कूच होकर रहेगा। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम करते हुए गाजीपुर, सिंघु, संभू, टिकरी समेत सभी बॉर्डर को छावनी में तब्दील कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि पूर्व के आंदोलन को भी किसान नेताओं ने शांतिपूर्ण बताया था, लेकिन आंदोलन में बड़ी संख्या में असामाजिक तत्व भी घुस आए, जिसके चलते किसान आंदोलन ने हिंसक रूप ले लिया था। खासतौर पर खालिस्थान समर्थक आतंकियों की किसान आंदोलन में खासतौर पर सक्रियता देखी गई थी।

पुलिस ने पीछे धकेला, गिरफ्तारियां भी

शंभू बॉर्डर पर सख्ती के बीच दोपहर 12 बजे के आसपास आंदोलनकारी किसान और पुलिस के बीच भिड़ंत हो गई। आंदोलनकारी किसान शंभू बॉर्डर पर हरियाणा में घुसने का प्रयास करते नजर आए और बैरिकेडिंग तोड़ने लगे। नतीजतन पुलिस और दोनों का आमना सामना हो गया और दोनों में संघर्ष की स्थिति पैदा हो गई। दोपहर तक शंभू बॉर्डर पर हालात गंभीर बने रहे। कई किसानों को हिरासत में भी लिया गया। पुलिस शुरुआत में किसानों को 200 मीटर तक वापस धकेलने में कामयाब रही, लेकिन इसके बाद भी किसान आगे बढ़ रहे हैं। हालात ये हैं कि यहां 20 मिनट में दो बार बड़ा हंगामा हुआ। हरियाणा पुलिस ने वाहन के साथ खड़े लोगों को पहले अनाउंसमेंट के जरिये हटाने के कोशिश की, लेकिन कुछ किसान जोरदार नारे लगाने लगे, जिससे वहां पर खड़े सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें हिरासत मे लिया और अपने साथ ले गई। हिरासत मे लेने के बाद कई किसानों को आगे जाने के लिए सुरक्षा कर्मियों के साथ उलझते हुए देखा गया। अनाउंसमेंट द्वारा पुलिस बार-बार वहां खड़े लोगों को ये बता रही है कि यहां धारा 144 लगी हुई है।

कवर्धा का साधराम यादव हत्याकांड

परिजनों ने 5 लाख का चेक लौटाया कहा गर्दन के बदले चाहिए गर्दन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। जिले के लालपुर में साधराम की हत्या का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। कवर्धा में साधराम यादव की पत्नी और बेटे ने मोर्चा खोल दिया है। दोनों ही प्रशासन के पास पहुंचे और पांच लाख की सहायता राशि का चेक वापस करते हुए गर्दन के बदले गर्दन से न्याय की गुहार लगा दी है।

साधराम यादव की हत्या के बाद प्रशासन की तरफ उसके परिवार को आर्थिक सहायता देते हुए छत्तीसगढ़ सरकार के डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पांच लाख रुपए का चेक दिया था। जिसके बाद सोमवार को साधराम का बेटा, मां के साथ चेक वापस करने पहुचा। जहां उसने मीडिया से चर्चा में कहा कि हम सरकार को पैसा वापस करते हैं क्योकि हमें भीख नहीं चाहिए। इस मामले में कड़ी से कड़ी सजा आरोपियों को मिलना चाहिए। साधराम के बेटे ने कहा कि हमको गर्दन के बदले गर्दन चाहिए। अब तक हुई कार्रवाई और बुलडोजर चलने की बात को लेकर उसने कहा कि बुलडोजर उसके अवैध ठिकानों पर चला है। अगर बुलडोजर चला तो सिर्फ एक के घर क्यों बाकी सभी छह लोगों के घर क्यों नहीं चला। हम इस कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है। आज 20 दिन से ज्यादा का समय हो चुका है इसमें अब तक कोई खुलासा नहीं हुआ है। हमें इस मामले में हुई कार्रवाई को लेकर शासन और प्रशासन क्यों नहीं बता रहा है कि इसमें क्या-क्या ठोस कदम उठाया गया है।

5 लाख में पति नहीं लौटेंगे, न्याय चाहिए

मृतक गोसेवक की पत्नी प्रमिला यादव ने कहा कि उन्हें अभी तक न्याय नहीं मिला है। आरोपियों ने उनके पति साधराम यादव की गला रेतकर हत्या की थी। इसी तरह दोषियों को भी दंड मिलना चाहिए। पांच लाख रुपये की राशि से उनके पति कभी वापस नहीं आ सकते। ऐसे रुपये का कोई मतलब नहीं है, जब तक आरोपी जिंदा हैं।

20 जनवरी को हुई थी हत्या

गौरतलब है कि साधराम यादव (50 साल) की 20 जनवरी की रात लालपुर में गला रेतकर हत्या की गई थी। इस मामले में पुलिस ने जांच करने के बाद 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। आरोपियों में सुफियान, ईदरिस, अयाज व महताब खान सहित एक नाबालिग शामिल थे। सभी आरोपी फिलहाल जेल में बंद हैं। घटना के बाद प्रशासन ने एक आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई की थी। वहीं मृतक के परिजन को आर्थिक मदद दी गई थी। जिसे परिजनों ने प्रशासन को वापस कर दिया।

प्रयागराज से दुर्ग आ रही बस धू-धू कर जली, सभी यात्री सकुशल

■ गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के गौरेला शहरी क्षेत्र की घटना

श्रीकंचनपथ न्यूज़

दुर्ग। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से छत्तीसगढ़ के दुर्ग आ रही है यात्री बस सुबह-सुबह भीषण हादसे का शिकार हो गई। चलती यात्री बस में आग लग गई जिससे बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई जबकि बस में सवार 80 से 90 यात्रियों को समय पर सुरक्षित उतार लिया गया। आग लगने का कारण अब तक पता नहीं चल सका है।

घटना गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के वेंकट नगर से गौरेला शहरी क्षेत्र की है, जहां के रहवासियों को अपने घर पर सोते सोते सुबह-सुबह ढाई से 3:00 बजे धमाके की आवाज सुनाई दी। लोगों ने घर से बाहर निकाल कर देखा तो एक बस से भीषण आग की लपटे निकल रही थी। आग इतनी भयावह थी कि रहवासियों को कुछ समझ में नहीं आ रहा था। यात्री बस के आसपास भारी भीड़ थी और यात्रियों में अफरातफरी मची हुई थी। स्थानीय रहवासियों ने आपस में मिलकर बस में लगा को बुझाने का प्रयास शुरू किया। साथ ही फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी। जब तक फायर ब्रिगेड के वाहन मौके पर पहुंचते, बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई थी। हालांकि हादसे में किसी भी यात्री के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

प्रत्यक्षदर्शियो की माने तो एक ट्रक चालक ने बस के चक्के में आग लगी देखकर बस को ओवरटेक किया और बस चालक को इसकी खबर की। इसके बाद बस चालक ने वाहन को आनन-फानन में रोका। आग तेजी से फैलने लगी तो बस के भीतर अफरा तफरी मच गई। हालांकि सभी यात्रियों को जल्द ही बाहर निकाल लिया गया। बताया जाता है कि सुबह ढाई से 3:00 बजे हुई इस घटना के दौरान बस में सभी यात्री सो रहे थे। बस चालक एवं परिचालक ने सूझबूझ से सभी यात्रियों को सकुशल निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। वहीं फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच कर जलती बस को बुझाने का प्रयास किया परंतु आग की लपटें इतनी तेज थी कि बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ से उत्तर प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश से छत्तीसगढ़ चलने वाली यात्री बसें पर्यटक टूरिस्ट परमिटके नाम पर चलती है। जबकि इसमें पर्यटक के बजाय छत्तीसगढ़ के मजदूर सवार होते हैं, और अपनी क्षमता से दुगने यात्री इसमें सवार रहते हैं। इस बस में भी मजदूर ही सवार थे जो प्रयागराज से दुर्ग वापस आ रहे थे। सुबह-सुबह हुई इस घटना से स्थानीय लोगों की मदद से सभी मजदूरों को सुरक्षित कर लिया गया। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि बस किस टेव्हल्स की थी।

अगवा मजदूरों को नक्सलियों ने छोड़ा

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में नक्सलियों ने अगवा मजदूरों को रिहा कर दिया है। अगवा मजदूर ने अपने पिता को दूसरे नंबर से फोन कर इस बात की जानकारी दी।

बता दें कि बीते रविवार को नक्सलियों ने चारों मजदूरों को जेसीबी के साथ अगवा कर लिया था। बीते रविवार शाम 5 बजे सुकमा जिले के जगरगुंडा थानाक्षेत्र के जोनागुड़ा व टेकलगुड़ा में मजदूर जल जीवन मिशन के तहत काम कर रहे थे। तभी नक्सलियों ने जेसीबी सहित 4 मजदूरों को अगवा कर लिया था।

अगवा मजदूर ने पिता से फोन पर कहा, हम लोग घर आ रहे हैं। पिता ने इस बात की जानकारी पुलिस को दी है। पुलिस भी इस मामले को लेकर पतासाजी कर रही है।

सभी प्रमुख फर्निशिंग दुकानों पर उपलब्ध
Royal Touch
PILLOWS
CUSIONS
BOLSTERS
जगदम्बा फर्नीशिंग
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई
KARISHMA CROWN

नए निजाम में सी-मार्ट की लग गई वाट

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

ये तो होना ही था। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार और मौजूदा भाजपा सरकार के विकास मॉडल में जमीन आसमान का अंतर जो है। इनमें से एक जहां गांवों को मजबूत कर आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना चाहता है वहीं दूसरा देश को तेजी से अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार विकसित भारत बनाना चाहता है। पूरा मामला देश की नब्ज को पहचानने और पकड़ने का है। बेशक, स्वरोजगार हमेशा से रोजगार का बेहतर मॉडल रहा है पर जिस देश में औसत पैसेवाला आदमी भी ब्रांड-फ्रीक हो, वहां फुटकर स्वरोजगार करने वालों की क्या बखत हो सकती है। आलू गुण्डा और समोसे बेचने वाला भले ही दिन में 2 से 3 हजार रुपए कमाता हो, पर गले में एमएनसी का कार्ड लटकाए घूम रहे लोगों के आगे उसे कोई नहीं पूछता। रायपुर में रविभवन के सामने सुबह-सुबह पोहे के ठेले-खोमचे लगते हैं। जबरदस्त पोहा होता है ङ्क गाजर, चुकंदर और प्याज के साथ गर्मा-गर्म पोहा और ऊपर रखी दो जलेबियां एक ऐसा शानदार नाश्ता है जो सलाद, अनाज और मीठा का जबरदस्त संतुलन देता है। एक प्लेट पोहा खाकर लोग बेहतर ढंग से अपना दिन शुरू कर सकते हैं। पर देश की बहुप्रचारित युवा आबादी तो इतनी जल्दी उठती ही नहीं। जब तक वो उठते हैं, ये पोहा वाले अपनी दिन भर की कमाई कर घर जा चुके होते हैं। दरअसल, पोहे का यह धंधा पीछे की दुकानों की पार्किंग है। दुकानें खुलने से पहले ही जगह खाली करनी पड़ती है। भिलाई के सेक्टर-7 मार्केट में एक आलू-गुण्डे की दुकान होती थी 'देवी का आलूगुण्डा'। वो पेड़ के नीचे खोमचा लगाकर शाम को तीन-चार घंटे गर्मागर्म आलूगुण्डा बेचते थे। वो तो अब रहे नहीं पर उनके सुपुत्रों ने इसी धंधे को आगे बढ़ाया। अब उनकी शहर में तीन चार पक्की दुकानें हैं। केम्प-1 की जलेबियां इतनी मशहूर हुईं कि चौक का नाम ही जलेबी चौक पड़ गया। सेक्टर-1 पानी टंकी के बड़े, सेक्टर-6 'ए' मार्केट की खोया जलेबी भी इसी श्रेणी में आते हैं। पर ये हमेशा छोटे धंधे ही कहलाए। यही था कंसेप्ट का वह खेल जिसमें कांग्रेस मात खा गई। उसे लगा कि गांवों में बने शुद्ध उत्पादों और आर्गेनिक प्राडक्ट्स के खरीदार उसके सी-मार्ट तक आएंगे और ग्रामीणों को अच्छी खासी कमाई होगी। प्रॉडक्ट्स स्थापित हो जाएंगे तो उनकी दूसरे शहरों, राज्यों एवं विदेशों में मांग बढ़ेगी। आज जिन्हें फ्री का स्पेस, मुफ्त की बिजली दे रहे हैं, कल वो ही सरकार को अच्छा खासा राजस्व भी देने में सक्षम हो जाएंगे। पर आलू और चिकन के लिए भी विदेशी ब्रांड की दुकानों में धक्का-मुक्की करने वालों से ऐसी उम्मीद करना एक बड़ी गलती थी। कम कीमत में स्वास्थ्य वर्धक सामग्री खरीदने वालों का अनुपात आबादी में तेजी से गिरता जा रहा है। नई पीढ़ी भोजन से लेकर कॉस्मेटिक और कपड़े तक विदेशी ब्रांड का ही पसंद करती है। ऐसे में महत्वाकांक्षी सी-मार्टों पर ताला तो लगना ही था।

Digital Display Board
के माध्यम से अपने व्यवसाय को दे
नई पहचान...
19 एलईडी स्क्रीन वॉल
बिलासपुर रेलवे स्टेशन में स्थापित
48 एलईडी टीवी
Harsh Media Advertisers
- रायपुर
- दुर्ग
- बिलासपुर
- कोरबा
- रायगढ़
- चांपा
- मुंगेली
Bhagat singh Chwok, Near CM House, Raipur, Chhattisgarh
Contact: 9131425618, 9827806026

संपादकीय

नीतीश पर विश्वास

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को विश्वास मत जीतकर फिर एक बार अपनी सरकार का बहुमत साबित कर दिया। विगत कुछ दिनों से नाना प्रकार के कयास लगाए जा रहे थे, उन सबका पटाक्षेप हो गया है। लगभग हरेक दल के विधायक संदेह के घेरे में थे। अविश्वास का ऐसा माहौल बन गया था कि लगभग सभी पार्टियां अपने-अपने विधायकों की निष्ठा को लेकर आशंकित हो गई थीं। वैसे ज्यादा संभावना यही थी कि नीतीश कुमार विश्वास मत जीत लेंगे। सदन में जल्दी ही विपक्षियों को भी एहसास हो गया कि वे संख्या बल में पिछड़ गए हैं। विपक्ष की अनुपस्थिति में एनडीए ने सबसे पहले ध्वनि मत से अपना बहुमत साबित किया। हालांकि, बाद में प्रत्यक्ष मतदान की मांग हुई और सरकार के पक्ष में 129 वोट पड़े, जबकि विपक्ष ने मतदान में भाग ही नहीं लिया। दोनों तरफ से ही आरोपों की झड़ी लगी रही। किसी ने नैतिकता की दुहाई दी, तो किसी ने अपने विरोधी पर कमाने का आरोप लगाया और अंततः बाजी सत्ता पक्ष के हाथ लगी। विधानसभा में बीस साल पहले के समय को भी फिर याद किया गया, लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की सरकारों पर भी आरोप लगे।

> “ ऐसे तमाम नेताओं के लिए बिहार आज एक सबक बनकर सामने है कि किसी के बारे में इतना बुरा मत बोलो कि जरूरत पड़ने पर तुम्हारे लिए दरवाजे बंद हो जाएं। दूसरी बात, बिहार में लोग अब काम और रोजगार देखने के लिए ज्यादा लालायित हैं, ऐसे में, विपक्ष के साथ ही सत्ता पक्ष की भी जिम्मेदारी बढ़ गई है।

बेशक, अब बिहार के लिए आगे बढ़ने का समय है। क्या राजनीति आरोपों से आगे बढ़ेगी? क्या भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ कार्रवाई होगी? इस बात से भला कौन इनकार करेगा कि बिहार की राजनीति में निष्ठा और नैतिकता को स्थिरता मिलनी चाहिए। यह बहुत अच्छी बात है कि विभिन्न दलों के बीच जिस तरह से पाला बदल होने की आशंका थी, वह नहीं हो सकी। राजद और जनता दल यू में दो-तीन विधायकों का इधर-उधर होना कोई विशेष चिंता की बात नहीं है। इसमें कोई शक ही नहीं है कि नीतीश कुमार की सरकार संख्या बल में और शक्तिशाली होकर सामने आई है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में स्पष्ट कहा है कि वह अपनी पुरानी जगह और गठबंधन में वापस आ गए हैं और उसे कभी नहीं छोड़ेंगे। हालांकि, राजनीति में संभावनाओं का कभी अंत नहीं होता, फिर भी कम पाला बदलने से नेता और राज्य की भी प्रतिष्ठा को बल मिलता है। 'इंडिया ब्लॉक' को लेकर नीतीश कुमार का दुख एक बार फिर उभर आया, तो स्वाभाविक ही है। वाकई, उन्होंने महा विपक्षी गठबंधन के लिए खूब प्रयास किए थे, पर जब उस गठबंधन में उनकी ही उपेक्षा शुरू होने लगी, तब उन्हें एनडीए में लौटने में ही अपना व्यापक हित दिखा। वह एक सर्व-स्वीकार्य राजनेता के रूप में बिहार में तमाम राजनीतिक दलों के लिए भी एक ऐसे मजबूत स्तंभ हैं, जिनके सहारे विगत दो दशक में बिहार की सत्ता खड़ी होती आई है।

ध्यान देने की बात है कि बिहार में जो सत्ता परिवर्तन हुआ है, उसमें नेताओं का रुख भी अपेक्षाकृत ज्यादा समझदारी भरा रहा है। गठबंधन टूटने के बावजूद तेजस्वी यादव को अच्छी तरह पता है कि भविष्य में गठबंधन की जरूरत फिर पड़ सकती है, इसलिए उनके तेवर पिछली बार की तरह तल्ख नहीं थे। पहले एकाधिक अवसर ऐसे आए हैं, जब बिहार में अनेक नेताओं ने एक-दूसरे के लिए बहुत कटु शब्दों का इस्तेमाल किया है। ऐसे तमाम नेताओं के लिए बिहार आज एक सबक बनकर सामने है कि किसी के बारे में इतना बुरा मत बोलो कि जरूरत पड़ने पर तुम्हारे लिए दरवाजे बंद हो जाएं। दूसरी बात, बिहार में लोग अब काम और रोजगार देखने के लिए ज्यादा लालायित हैं, ऐसे में, विपक्ष के साथ ही सत्ता पक्ष की भी जिम्मेदारी बढ़ गई है।

भारत रत्न की राजनीति

जयंत चौधरी का रुख पूरे विपक्ष की राजनीति पर एक प्रश्नचिह्न है। यह संकेत है कि ज्यादातर विपक्षी नेताओं की प्राथमिकता अपना और अपने परिवार का हित है। जब भाजपा उन हितों से तालमेल बैठा देती है, तो वे सहज ही उसकी तरफ खिंच जाते हैं। आरएलडी के नेता जयंत चौधरी ने राज्यसभा में कहा कि मोदी सरकार ने उनके दादा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित कर उनका दिल जीत लिया है। इसके पहले वे कह चुके थे कि अब भाजपा उन्हें अपने गठबंधन में बुलाती है, तो वे किस मुंह से उस न्योते को ठुकराएंगे! यह कहते हुए चौधरी अपने उन पूर्व बयानों को भूल गए, जिनमें उन्होंने मौजूदा केंद्र सरकार पर किसान विरोधी और सांप्रदायिक होने के इल्जाम लगाए थे। चौधरी का यह रुख असल में पूरे विपक्ष की राजनीति पर एक प्रश्नचिह्न है। यह इसका संकेत है कि विपक्ष के ज्यादातर नेता अपने और अपने परिवार के हित की लड़ाई लड़ रहे हैं। जब भाजपा उन हितों से तालमेल बैठा देती है, तो वे सहज ही उसकी तरफ खिंच जाते हैं। केंद्र ने ऐसे तालमेल बिठाने के लिए अब देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न को औजार बना लिया है। अपने सियासी समीकरण बिठाने के लिए एक महीने के अंदर उसने पांच दिवंगत शख्सियतों को यह सम्मान प्रदान कर दिया है। जिन व्यक्तियों सम्मानित किया गया है, उनमें सिर्फ एमएस स्वामीनाथन ही गैर-सियासी हैं। हालांकि उनके सम्मान को भी तमिलनाडु में भाजपा की चुनावी प्राथमिकताओं से जोड़कर देखा जा सकता है। यह बात पहले से स्पष्ट है कि भाजपा की आज की कामयाबियों का एक बड़ा कारण 1990 के दशक में उभरी तीनों प्रमुख परिघटनाओं- मार्केट, मंदिर और मंडल को अपने में समाहित कर लेना है। ऐसे में पीवी नरसिंह राव, लालकृष्ण आडवाणी और कर्पूरी ठाकुर/ चौधरी चरण को सम्मानित करना उसके वर्तमान राजनीतिक समीकरणों से पूरी तरह मेल खाता है। जातीय प्रतिनिधित्व और प्रतीकों की राजनीति को साधने की वह महारत हासिल कर चुकी है। चूंकि विपक्ष नए सिरे से अपनी राजनीति का पुनर्आविष्कार करने में विफल रहा है, इसलिए भाजपा की इस कामयाबी ने ज्यादातर विपक्षी दलों और नेताओं को लगभग अस्त्र-विहीन बना दिया है। चूंकि भारत रत्न और अन्य नागरिक सम्मानों का अपने शासनकाल में उन्होंने भी सियासी मकसदों से इस्तेमाल किया था, इसलिए वे देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान के कथित अवमूल्यन पर आज शोर मचाने की स्थिति में भी नहीं हैं।

चुनावी एजेंडे के साथ संसद सत्र का समापन

संसद का बजट सत्र समाप्त हो गया है। आखिरी दिन श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर एक प्रस्ताव पास किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की गई। इससे एक दिन पहले सरकार की ओर से यूपीए सरकार के 10 साल के राज पर पेश किए गए श्वेत पत्र पर चर्चा की गई, जिसमें बताया गया कि कैसे मनमोहन सिंह की सरकार के समय देश की अर्थव्यवस्था का भट्ठा बैठ गया था। सत्र शुरू होने से पहले सरकार की ओर से रिपोर्ट पेश की गई थी, जिसमें बताया गया था कि पिछले 10 साल में देश कितनी तेज रफ्तार से तरक्की कर रहा है। इस बीच राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान दोनों सदनों में प्रधानमंत्री ने कांग्रेस शासन की कथित विफलताओं और परिवारवाद पर जोरदार हमला किया था। इस तरह 17वीं लोकसभा के आखिरी सत्र में 18वीं लोकसभा के चुनाव का एजेंडा तय कर दिया गया। सरकार की उपलब्धियों के बखान के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह से कांग्रेस को अटैक किया उससे जाहिर हो गया कि भ्रष्टाचार और परिवारवाद भाजपा के प्रचार के प्रमुख मुद्दों में से एक होंगे। इसके बाद श्वेत पत्र में मनमोहन सिंह सरकार की विफलताओं और उस समय चर्चा में आए 15 घोटालों का जिक्र किया गया। एक बार फिर भाजपा इन घोटालों को उजागर करेगी। इसके बाद राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का मुद्दा उठा और संसद की कार्यवाही से पूरे देश में इसका संदेश दिया गया। इस तरह चुनावी एजेंडा तय करके सत्र का समापन हुआ।

> “ मुझे सन् 1971 के युद्ध के बाद का दौर याद आता है, जब पाकिस्तानी निजाम अरब देशों से मदद मांगने गए थे। मगर उन्हें इसलिए खाली हाथ लौटना पड़ा, क्योंकि वे भरोसे के काबिल नहीं समझे गए। ऐसा इसलिए, क्योंकि वे पूर्वी पाकिस्तान में रहने वाले बांग्लाभाषी मुसलमानों को कोस रहे थे। हमारी सभ्यता ऐसा करने की हमें इजाजत नहीं देती, इसलिए अरब देशों में हमारा एक मुकाम है। लगता है, इस सोच ने भी भारतीय कैदियों की रिहाई में मदद की है।

नजीर बनी पूर्व नौसैनिकों की रिहाई

शशांक, पूर्व विदेश सचिव

कतर में मौत की सजा पाए आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों की रिहाई राजनयिक ही नहीं, राजनीतिक तौर पर भी एक बड़ी नजीर है। जब इन पूर्व नौसैनिकों को कथित जासूसी के मामले में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई थी, तभी से कूटनीतिक स्तर पर इनकी रिहाई के प्रयास शुरू हो गए थे। इसमें बड़ी सफलता तब मिली, जब इनकी सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया गया, पर रिहाई तब भी मुश्किल थी, क्योंकि इन पर राष्ट्रदोह का मुकदमा चल रहा था। नतीजतन, भारत में राजनीतिक स्तर पर प्रयास शुरू हुए और खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोर्चा संभाला। पिछले साल दिसंबर में संयुक्त अरब अमीरात में उन्होंने कतर के शेख तमीम बिन हमाद अल-थानी से निजी मुलाकात भी की।

दोनों शीर्ष नेताओं की कॉप-28 शिखर सम्मेलन से इतर हुई इस मुलाकात के बाद माना जाने लगा था कि जल्द ही इन भारतीयों की रिहाई हो सकती है। कहा जाता है कि शेख यह समझने लगे थे कि भारत के किसी दुश्मन देश की शह पर यदि भारतीय नागरिकों को कतर की जेल में रखा गया, तो नई दिल्ली के साथ उनके रिश्ते बिगड़ सकते हैं। वैसे भी, कूटनीति का तकाजा यही है कि द्विपक्षीय रिश्तों पर जोर दिया जाए, जिसमें किसी तीसरे मुल्क की दखलंदाजी उचित नहीं।

ऐसे मामलों में कैदियों की रिहाई की अपनी चुनौतियां होती हैं। बेशक, वियना कन्वेंशन जैसे प्रावधानों के तहत राजनयिकों, दूतावास-कर्मियों या राजनीतिज्ञों को विशेषाधिकार प्राप्त होता है, लेकिन जब कोई किसी तीसरे देश की सेवा करते हुए कानूनी गिरफ्त में आता है, तो दूतावास के हाथ भी बहुत खुले नहीं रहते। इन पूर्व भारतीय सैनिकों के साथ भी यही दिक्कतें थीं। वे ओमान की कंपनी दहरा ग्लोबल के लिए काम कर रहे थे, जिसने इस मामले के तूल पकड़ने के बाद कतर से अपना कारोबार समेटना शुरू कर दिया था।

ब्रिटेन, अमेरिका जैसे देशों में जब ऐसे मामले आते हैं, तो वहां सिर्फ अंतरराष्ट्रीय प्रावधानों का पालन होता है, लेकिन खाड़ी या एशियाई जैसे परंपरागत देशों में आपसी रिश्ते भी काफी काम करते हैं। ऐसा लगता है कि इन भारतीयों के मामले में यह प्रयास दो मोर्चे पर किया गया। एक, राष्ट्र के स्तर पर और दूसरा, निजी रिश्तों की बुनियाद पर। एक राष्ट्र के तौर पर भारत अपने नागरिकों की रिहाई को लेकर संकल्पित तो था ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेशी राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों को मित्र बनाने की शिफ्त भी इसमें मददगार साबित हुई। अपनी वाक्पटुता के लिए मशहूर भारतीय नेतृत्व ने कतर को यह समझाने में सफलता हासिल की कि किसी फर्जी तथ्यों की वेदी पर आपसी रिश्तों की बलि नहीं दी जानी चाहिए। मैं खुद कई अरब देशों में रह चुका हूं, और मुझे पता है कि वहां के लोग भारत पर कितना विश्वास करते हैं। वहां भारतीय व्यापारी ही नहीं, डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षकों की भी खूब इज्जत की जाती है। वे कूटनीति के बजाय 'दोस्ती की भाषा' पर विश्वास करते हैं। पूर्व भारतीय नौसैनिकों की यह रिहाई उसी भरोसे का प्रतिफल है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि हमने ऐसी उपलब्धि पहली बार हासिल की है। पूर्व में भी कई बार हमने अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करवाई है।

बहरहाल, इस मामले को एक सबक के रूप में भी देखना चाहिए, खासकर भारत के उन राजनीतिक विश्लेषकों या सियासतदानों को, जो राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि से खेलने का प्रयास करते रहते हैं। उनको समझना होगा कि जहां देश के हित की बात है, वहां नकारात्मक बातों से दूरी बरतनी चाहिए। जब तक मसला हल न हो जाए, हमें अपने देश की सरकार की मदद करनी चाहिए। यह दुखद था कि भारत में अल्पसंख्यकों के साथ कथित तौर पर होने वाले भेदभाव को दुनिया भर में प्रसारित किया गया। यह भी कहा गया कि आतंकवाद के खिलाफ नई दिल्ली इजरायल के साथ है। इन सबसे भारत-कतर की बातचीत पर असर पड़ा। चूंकि, खाड़ी के देशों में भारत की अपनी अलग पहचान है, इसलिए नकारात्मक सोच रखने वाले इन लोगों को उचित जवाब मिला है। वैसे, हमारे लिए एक बड़ी चुनौती गाजा संकट में कतर द्वारा मुख्य भूमिका निभाने की मंशा भी थी और अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए की मौजूदगी भी। बावजूद इसके यदि हमने सफलता हासिल की है, तो समझा जा सकता है कि इस मामले में आपसी रिश्ते ने कितनी बड़ी भूमिका निभाई है।

यह सफलता भविष्य में हमारे काफी काम आ सकती है। आंकड़ों की मानें, तो दुनिया के 89 देशों में करीब 9,500 भारतीय कैद हैं। ज्यादातर कैदी पश्चिम एशियाई जेलों में हैं। आंकड़े बताते हैं कि सऊदी अरब में 2,200, तो संयुक्त अरब अमीरात में 2,143 कैदी विभिन्न मामलों में सजायाफ्ता हैं। कतर में 752, कुवैत में 410 और बहरीन में 310 भारतीय अलग-अलग मामलों में जेल की सजा काट रहे हैं। चूंकि इन पूर्व नौसैनिकों की रिहाई में यह देखा गया कि हमारा शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व सिर्फ विदेश मंत्रालय के भरोसे नहीं रहा, बल्कि उसने व्यक्तिगत रुचि लेकर इनकी रिहाई सुनिश्चित करवाई, इसलिए आगे भी प्रधानमंत्री विदेशी जेलों में बंद एक-एक भारतीय की सुध लेंगे। आने वाले दिनों में यदि हम अन्य भारतीयों की रिहाई के गवाह बने, तो अचरज नहीं होना चाहिए। इसमें अंतरराष्ट्रीय प्रावधान भी हमारी मदद करते रहेंगे। फिलहाल, भारतीय दूतावास उन मामलों में विशेष सक्रियता दिखाते हैं, जिनमें अपराध की गंभीरता कम होती है। ऐसे मामलों में बाकी सजा अपने देश में काटने या अपील करने की सुविधा कैदियों को मिल जाती है। स्वदेश में अपील करने का हक भी इसमें मिलता है, जो कैदियों के काफी काम आता है।

एक बात और, अपनी संस्कृति से हमारा जुड़ाव भी खाड़ी या अरब देशों में हमें खास बनाता है। मुझे सन् 1971 के युद्ध के बाद का दौर याद आता है, जब पाकिस्तानी निजाम अरब देशों से मदद मांगने गए थे। मगर उन्हें इसलिए खाली हाथ लौटना पड़ा, क्योंकि वे भरोसे के काबिल नहीं समझे गए। ऐसा इसलिए, क्योंकि वे पूर्वी पाकिस्तान में रहने वाले बांग्लाभाषी मुसलमानों को कोस रहे थे। हमारी सभ्यता ऐसा करने की हमें इजाजत नहीं देती, इसलिए अरब देशों में हमारा एक मुकाम है। लगता है, इस सोच ने भी भारतीय कैदियों की रिहाई में मदद की है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

तरक्की में कुछ आगे निकले सूबों की बढ़ती शिकायत

एस.श्रीनिवास, वरिष्ठ पत्रकार

दक्षिणी राज्यों ने वित्तीय संघवाद पर फिर नाखुशी जताई है। केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना शिकायत कर रहे हैं कि उनकी वित्तीय आजादी छिन गई है, उनकी अपनी कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने की क्षमता सीमित हो गई है। अपेक्षाकृत आर्थिक रूप से बेहतर दक्षिणी की ओर से विरोध प्रदर्शन ऐसे समय में आया है, जब देश आम चुनाव की ओर बढ़ रहा है।

दक्षिण के चार राज्यों में से कर्नाटक और केरल दिल्ली की सड़कों पर भी उतर आए। वे सभी इसे अपने अधिकार का मुद्दा, स्व-शासन का मुद्दा बनाने की भी कोशिश कर रहे हैं। केंद्र सरकार को इस पर ध्यान देना होगा। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा में इस कदम पर तीखा पलटवार किया है। उधर, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन का कहना है कि जीएसटी से पहले और जीएसटी के बाद के शासन की तुलना में राज्य के वित्त पर 20,000 करोड़ रुपये का सीधा असर पड़ा है। केरल के वित्त मंत्री का कहना है कि उनका राज्य 2023-24 में केंद्रीय हस्तांतरण और ऋण मंजूरी में 57,000 करोड़ रुपये से वंचित रह गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने रणनीति के तहत एक नारा ही गढ़ दिया है, 'मेरा कर, मेरा हक' और पिछले सप्ताह उन्होंने वित्तीय स्वतंत्रता की मांग करते हुए अपने मंत्रिमंडल के साथ दिल्ली में डेरा डाल दिया था। सिद्धारमैया अतिरिक्त दबाव में हैं, क्योंकि उन्होंने चुनाव के समय 50,000 करोड़ रुपये की योजनाओं की घोषणा की थी और अब पर्याप्त धन के अभाव में मुश्किल हो रही है। इस बीच, तेलंगाना के नवनियुक्त मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी नीति आयोग को ज्ञापन सौंपकर राज्य को अधिक धन देने की मांग की है।

समस्या की जड़ केंद्र और राज्यों द्वारा राजस्व संसाधनों को साझा करने के तरीके में निहित है। गौर करने की बात है कि केंद्र और राज्यों के बीच धन का हस्तांतरण केंद्र द्वारा हर पांच साल में गठित वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है। 15वें वित्त आयोग की सिफारिशें 2025 तक वैध हैं। केंद्र सरकार ने 16वें वित्त आयोग का भी गठन कर दिया है, जो अगले पांच वर्षों के लिए अपनी सिफारिशें देगा।

केंद्र और राज्यों द्वारा एकत्र प्रत्यक्ष और परोक्ष करों को वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार, एक साथ रख दिया जाता है और उसके बाद वितरण होता है। 14वें और 15वें वित्त आयोग ने शुद्ध कर राजस्व के रूप में क्रमशः 42 प्रतिशत और 41 प्रतिशत के हस्तांतरण की सिफारिश की थी। यह सिफारिश पिछले वित्त आयोगों द्वारा की गई सिफारिशों से कहीं अधिक है और प्रधानमंत्री अपने भाषणों में इसका जिक्र करते रहते हैं।

दरअसल, सकल संग्रह अधिक है और राज्यों के साथ शुद्ध कर संग्रह ही साझा होता है, जो कम है। विगत पांच वर्ष को देखें, तो साल 2023-24 में केंद्र का सकल कर राजस्व 14.6 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 33.6 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि केंद्रीय कर राजस्व में राज्यों का हिस्सा 5.1 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 10.2 लाख करोड़ रुपये हो गया है। दूसरे शब्दों में कहें, तो राज्यों का हिस्सा दोगुना और केंद्र का हिस्सा दोगुने से अधिक हो गया है। इसके अलावा, केंद्र उपकर और अधिभार का अपना संग्रह राज्यों के साथ साझा नहीं करता है।

केरल और तमिलनाडु को यह अतिरिक्त शिकायत भी है कि उनके बजट के बाहर के ऋण (राज्य के स्वामित्व वाले उपक्रमों द्वारा लिए गए ऋण) को नेट उधार सीमा के तहत शामिल किया गया है, इससे इन राज्यों की ऋण लेने की क्षमता सीमित हो गई है। जहां दक्षिण के राज्यों को शिकायत है, वहीं उत्तर भारत के भाजपा शासित राज्य शिकायत नहीं करते हैं, क्योंकि उनमें से अधिकांश में सामाजिक विकास सूचकांक कम है और आबादी अधिक है। चूंकि दक्षिणी राज्य इन सभी कारकों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, इसलिए उन्हें वित्त आयोग की शर्तों की वजह से कम हिस्सा मिलता है। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु को प्रति एक रुपये के बदले 49 पैसे मिलते हैं।

समाधान क्या है? 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों में बेहतर विकसित दक्षिणी राज्यों की मांगों का ध्यान रखना चाहिए और उन्हें आश्वस्त करना चाहिए कि उन्हें उनके अच्छे काम के लिए दंडित नहीं किया जा रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अमृतकाल में जनजातिय आकांक्षाओं का हो रहा सम्मान

विष्णुदत्त शर्मा

आज़ादी का ये अमृतकाल, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का काल है। भारत की आत्मनिर्भरता, जनजातीय भागीदारी के बिना संभव ही नहीं है। भारत की सांस्कृतिक यात्रा में जनजातीय समाज का योगदान अटूट रहा है। गुलामी के कालखंड में विदेशी शासन के खिलाफ खासी-गारो आंदोलन, मिजो आंदोलन, कोल आंदोलन समेत कई संग्राम हुए। गोंड महारानी वीर दुर्गावती का शौर्य हो या फिर रानी कमलापति का बलिदान, देश इन्हें भूल नहीं सकता। वीर महाराणा प्रताप के संघर्ष की कल्पना उन बहादुर भीलों के बिना नहीं की जा सकती जिन्होंने कंधे से कंधा मिलाकर महाराणा प्रताप के साथ लड़ाई के मैदान में अपने-आप को बलि चढ़ा दिया था। हम इस ऋण को कभी चुका नहीं सकते, लेकिन इस विरासत को संजोकर, उसे उचित स्थान देकर, अपना दायित्व जरूर निभा सकते हैं। जिसकी दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं।

मई, 2014 में जब प्रधानमंत्री के रूप में मोदी जी ने दायित्व संभाला, उसी दिन से जनजातीय समाज के उत्थान के प्रयास शुरू कर दिए थे। देश में 110 से अधिक जिले ऐसे थे, जो हर क्षेत्र में पिछड़े हुए थे। पहले की सरकार बस उनकी पहचान कर के छोड़ देती थी। मोदी जी की सरकार ने इन जिलों को आकांक्षी जिला घोषित किया। इन जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क जैसे अनेक विषयों पर शून्य से काम शुरू करके सफलता के नए आयाम स्थापित किये। हाल ही में महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री जी ने कहा कि, सबका साथ, सबका विकास सिर्फ एक नारा नहीं है, यह मोदी जी की गारंटी है। और निश्चित ही भारत सरकार आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के आदर्शों के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके तहत आदिवासी समाज को, देश के विकास में उचित भागीदारी दी जा रही है।

मुझे याद है, 15 नवंबर 2023 को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने झारखंड में भगवान बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू में अमृतकाल के 25 वर्ष में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए चार अमृत मंत्र दिए थे। इसी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी ने 24 हजार करोड़ रुपये की लागत से प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान-पीएम जन मन का शुभारंभ किया, जिसमें 75 विशेषरूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लोगों को मूलभूत सुविधाओं के साथ पोषण तथा आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जाना है। जनजातीय गौरव दिवस पर ही प्रधानमंत्री जी ने सामाजिक न्याय तथा सभी को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ किया था,जिसमें गांव-गांव तक पहुंचकर हर गरीब, हर वंचित को सरकारी योजनाओं का लाभार्थी बनाया गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जनजातीय सशक्तीकरण के संकल्प स्वरूप ही श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी राष्ट्रपति निर्वाचित हुई हैं, जो भारतीय लोकतंत्र की एक अविस्मरणीय घटना है।हमारे देश में जनजातीय समाज को शीर्ष पर प्रतिनिधित्व देने में भी देश को सात दशकों की लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ी। हम लोगों ने यह भी देखा है जब जनजातीय समाज से आने वाले तुलसी गौड़ा जी, राहीबाई, सोमा पोपेरे जैसे महानुभावों को जब पद्म पुरस्कारों से अलंकृत किया गया, तब वे राष्ट्रपति भवन के लाल कालीन पर नंगे पांव पहुंचे और भारतवर्ष समेत समूचे विश्व ने तालियां बजाई क्योंकि स्वतंत्रता के बाद पहली बार किसी सरकार ने साधारण दिखने वाली इन असाधारण हस्तियों का सम्मान किया था। देश की कुल जनसंख्या में आदिवासियों की संख्या नौ प्रतिशत है। किंतु पूर्ववर्ती सरकारों ने उन्हें मुख्यधारा से जोडने एवं उनके उत्थान के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए। पहली बार एनडीए की श्रद्धेय अटल जी के नेतृत्व वाली सरकार ने 1999 में एक अलग मंत्रालय बनाने के साथ ही 89 वें संविधान संशोधन के माध्यम से राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की स्थापना की। अटल जी ने जो शुरुआत की थी, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने उसे बहुआयामी गति दी है और लंबे समय तक हाशिये पे रहा जनजातीय समुदाय आज विकास की मुख्यधारा का हिस्सा है।

श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से भारत के सांस्कृतिक अभ्युदय को दिशा मिली है। हम सब जानते हैं कि वनवासियों के साथ बिताए समय ने ही एक राजकुमार को मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम बनाने में अहम भूमिका निभाई है। उस कालखंड में प्रभु श्री राम ने वनवासी समाज से जो प्रेरणा पाई थी और उसी से उन्होंने सबको साथ लेकर चलने वाले रामराज्य की स्थापना की। प्रधानमंत्री जी भी प्रभु श्री राम के राज्य से प्रेरणा प्राप्त कर जनजातीय समुदाय के सर्वांगीण विकास हेतु कार्यरत हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में ही प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा में आदिवासी बच्चों की सहभागिता बढ़ी है। पहले केवल 90 %एकलव्य विद्यालय' खुले थे, जबकि 2014 से 2022 तक मोदी सरकार ने 500 से अधिक %एकलव्य विद्यालय' स्वीकृत किए। देश में नए केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। %आयुष्मान भारत योजना' में करीब 91.93 लाख लाभार्थी जनजातीय वर्ग से ही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आदिवासियों के लिये 65.54 लाख आवासों के लिये स्वीकृति दी जा चुकी है। स्वच्छता मिशन में जनजातीय वर्ग के 1.48 करोड़ घरों में शौचालय बने हैं। जल जीवन मिशन के तहत आदिवासी क्षेत्रों में करीब 1.35 करोड़ घरों में पाइप के जरिये जलापूर्ति हो रही है।1 करोड़ से अधिक जनजातीय किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। जनजातीय कार्य मंत्रालय प्रति वर्ष 35 लाख जनजातीय छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है। लगभग 90 लघु वन उत्पादों पर सरकार एमएसपी दे रही है। 80 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों में सवा करोड़ से अधिक सदस्य जनजातीय समाज से हैं और इनमें भी बड़ी संख्या महिलाओं की है।

लेखक-भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट,
दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of
Musical Instrument
Sales & Repair
DURG:-
Near Tarun Adlabs
Station Road, Durg (C.G.)
Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:-
Near Manju Mamta
Reaustaurant, M.G. Road
Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

जिला पंचायत सीईओ कोसम को ऑडिटोरियम में दी गई भावभीनी विदाई

सूरजपुर। शासन के नवीनतम आदेश के तहत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत लीना कोसम का स्थानांतरण परीक्षा नियंत्रक लोक सेवा आयोग रायपुर हुआ है। आदेश के अनुपालन में आज वो अपने पद से कार्य मुक्त हो चुकी हैं, जिले में उनके डेढ़ वर्ष के उत्कृष्ट कार्यकाल पर आज ऑडिटोरियम सूरजपुर में स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा रखा गया था। जिसमें जिला प्रशासन के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास ने जिला पंचायत सीईओ लीना कोसम को शासन द्वारा सौंप गए नये दायित्व पर शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। अपने विदाई के अवसर पर जिला पंचायत सीईओ लीना कोसम ने जिला पंचायत के अपने सभी सहयोगियों, जिला प्रशासन के सभी अधिकारी व कर्मचारियों तथा जिले के निवासियों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

जनसंपर्क विभाग कला जत्था के माध्यम से कर रहा शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार

बालोद। छत्तीसगढ़ शासन जनसपंर्क विभाग द्वारा बालोद जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कला जत्था के माध्यम से केंद्र एवं राज्य शासन की महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसके माध्यम से जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में कलाकारों के द्वारा अपनी रोचक प्रस्तुति के माध्यम से शासन की जन कल्याणकारी योजनों की जानकारी दी जा रही है। इसके अंतर्गत आज जिले के बालोद विकासखण्ड के ग्राम पंचायत करहीभदर, लाटाबोड़ एवं रविवार 11 फरवरी को बालोद विकासखण्ड के ग्राम पीपरछेड़ी, बेलमाण्ड, तरौद में कला जत्था का आयोजन किया गया। कला जत्था के माध्यम से ग्रामीणों को महतारी वंदन योजना, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, श्री रामलला दर्शन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्वला योजना, प्रधानमंत्री आयुषमान योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, स्वच्छ भारत अभियान आदि शासन के विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

महतारी वंदन योजना में विधवा महिला की पुष्टि के लिए अन्य दस्तावेज मान्य

कोरबा। महतारी वंदन योजना अंतर्गत विधवा महिला की पात्रता निर्धारित करने हेतु महतारी वंदन योजना के नोडल विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालक के जारी पत्र अनुसार विधवा महिला होने की स्थिति में पुष्टि के लिए पति का मृत्यु प्रमाण पत्र या ग्राम पंचायत या वार्ड पार्षद द्वारा जारी प्रमाण पत्र या राशन कार्ड, आधार कार्ड मतदाता परिचय पत्र, निवास प्रमाण पत्र में भी यदि पति के स्वर्गीय होना उल्लेखित है, तो इसे भी पुष्टि हेतु प्राप्त किया जा सकता है। संचालक ने यह पत्र छत्तीसगढ़ के सभी जिले के कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग को जारी किया है। उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना के आवेदन में आवश्यक दस्तावेज अंतर्गत पासपोर्ट साइज के फोटो में स्व सत्यापित, 10वीं या 12वीं के अंक सूची, स्थानांतरण प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस में से (कोई एक), पात्र हितग्राही का बैंक खाता विवरण एवं बैंक पासबुक आदि की छायाप्रति, स्वघोषणा पत्र शामिल है।

युवा विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनें : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

देशभर के 1 लाख से अधिक युवाओं को प्रधानमंत्री ने वर्चुअल रूप से किया नियुक्ति पत्र वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विभिन्न राज्यों के 46 स्थानों पर आयोजित प्रधानमंत्री रोजगार मेला में 1 लाख से अधिक युवाओं को वर्चुअल रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने नौजवानों से राष्ट्र निर्माण का सहभागी बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा नौकरी देने का अभियान पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। देश के सभी युवाओं को अपनी योग्यता साबित करने का सामान अवसर मिल रहा है।

श्री नरेन्द्र मोदी
द्वारा
सरकारी नौकरियों में चयनित 1 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्रों का वितरण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में कार्मिक भवन का शिलान्यास कर वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इससे कर्मियों के प्रशिक्षण तथा समन्वय में सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि आज युवा कड़ी मेहनत और अपनी प्रतिभा के दम पर अपनी जगह बना सके इसके लिए सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नौकरी के लिए तय किए गए भर्ती की प्रक्रिया समय सीमा में पूर्ण की जा रही है। स्टार्टअप योजना लागू होने से रोजगार के विभिन्न अवसर युवाओं को मिल रहा है।

देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित किए जा रहे रोजगार मेले की कड़ी में रायपुर जिले के आरंग स्थित केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल कैम्प में प्रधानमंत्री रोजगार मेला का आयोजन किया गया।

इस रोजगार मेला में अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्रों का वर्चुअल वितरण कार्यक्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल शामिल हुई। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न केन्द्रीय सशस्त्र बलों एवं अन्य विभागों में चयनित 75 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबध्दता को पूरा करने की दिशा में यह रोजगार मेला एक ऐतिहासिक कदम है। रोजगार मेला भविष्य में रोजगार सृजन उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। रोजगार मेले में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 04, सीमा सुरक्षा बल के 09, भारत तिब्बत सीमा पुलिस के 01, पोस्टल के 17, रेवेन्यू सी.बी.आई.सी. के 10, एफसीआई एण्ड पीडी के 04, लेबर (ईपीएफओ) के 05, हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड के 20 तथा हायर एजुकेशन के 05 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया।

इस समारोह में अपर महानिदेशक (भा.पु.से.) अमित कुमार, पुलिस महानिरीक्षक (भा.पु.से.) साकेत कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक छत्तीसगढ़ सेक्टर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल विजय शंकर पाण्डेय, ग्रुप केंद्र रायपुर के कमाण्डेड अजय कुमार सिंह, चयनित अभ्यर्थी एवं उनके परिवारगण सहित केन्द्रीय विभागों के अधिकारी तथा कार्मिक उपस्थित रहे।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर उप मुख्यमंत्री अरुण साव सख्त

निर्माणाधीन गुणवत्ताहीन पानी टंकी को तोड़ने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव ने मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के देवरहट में निर्माणाधीन गुणवत्ताहीन पानी टंकी को तोड़ने के निर्देश दिए हैं। विगत दिनों एक कार्यक्रम में शामिल होने देवरहट पहुंचे उप मुख्यमंत्री साव ने ग्रामीणों द्वारा गुणवत्ताहीन निर्माण और लेट-लतीफी की शिकायत पर तत्काल कार्यस्थल पहुंचकर इसका निरीक्षण किया था। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता को निर्माणाधीन पानी टंकी की जांचकर निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे।

प्रमुख अभियंता द्वारा निरीक्षण में काम को खराब गुणवत्ता का और कई खामियां पाए जाने पर उप मुख्यमंत्री ने इसे गिराकर दूसरी नई टंकी के निर्माण के निर्देश दिए हैं। निर्माणाधीन टंकी को ध्वस्त करने का काम शुरू हो चुका है। प्रमुख अभियंता ने निरीक्षण प्रतिवेदन में संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार पर भी कार्रवाई की अनुशंसा की है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का प्रभार संभालने के बाद से ही जल जीवन मिशन के कार्यों में निर्माण की गुणवत्ता और इन्हें समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इसके लिए लगातार निर्देशित भी किया है। उन्होंने कहा है कि गुणवत्ता से समझौता और लेट-लतीफी किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता ने देवरहट में निर्माणाधीन पानी टंकी के निरीक्षण के बाद प्रतिवेदित किया है कि निर्माण कार्य के लिए नियुक्त एजेंसी श्री राम कंस्ट्रक्शन कम्पनी, बिजुरी (अनुपपुर) द्वारा गुणवत्ताहीन निर्माण के साथ ही काम में काफी लेट-लतीफी की गई है। टंकी के निर्माण में निर्धारित मापदंड एवं गुणवत्ता का पालन नहीं किए जाने से यह जनहित में उपयोग के लायक नहीं है। इस कार्य में ठेकेदार के साथ-साथ विभागीय अभियंताओं की भी गंभीर लापरवाही परिलक्षित हुई है। कार्य हेतु थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन एजेंसी इंजीनियरिंग स्टॉफ कॉलेज ऑफ इंडिया की भूमिका भी काफी असंतोषजनक पाई गई है।

टंकी के निर्माण के दौरान बरती गई लापरवाही को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए प्रमुख अभियंता ने गुणवत्ताहीन टंकी को तोड़कर गुणवत्तायुक्त नई पानी टंकी निर्धारित मापदण्ड के अनुसार निर्मित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पुरानी टंकी को ध्वस्त किए जाने के दौरान समुचित सावधानी बरतने के निर्देश ठेकेदार को दिए हैं जिससे अप्रिय घटना की आशंका न रहे।

निरीक्षण प्रतिवेदन में कहा गया है कि गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य से जल जीवन मिशन की छवि धूमिल हुई है। अत: भविष्य में ठेकेदार श्री राम कंस्ट्रक्शन कंपनी को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से संबंधित किसी भी कार्य में भाग लेने से आगामी निर्देश तक प्रतिबंधित किया जाता है।

प्रमुख अभियंता ने मुख्य अभियंता, बिलासपुर को संबंधित कार्यपालन अभियंता आई.पी. मंडावी, सहायक अभियंता एस.पी. सोनवानी और उप अभियंता आई.एस. कश्यप के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए कारण बताओ सूचना एवं आरोप पत्र प्रारूप प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

महतारी वंदन योजना के लिए राज्य में 46 लाख 22 हजार से अधिक महिलाओं ने भरा आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आरंभ की गई महतारी वंदन योजना के लाभ के लिए बड़ी संख्या में आवेदन भरने का सिलसिला जारी है। इस योजना के तहत प्रदेश में 46 लाख 22 हजार 926 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार महतारी वंदन योजना के तहत पात्र महिलाओं से आवेदन लिए जा रहे है। प्रदेश भर में फार्म भरने के लिए महिलाएं बड़ी संख्या में आवेदन कर रही हैं। महिलाओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है। सभी जिलों में लग रहे कैंपों में महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। महिलाओं का कहना है कि छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से हर महीने मिलने वाली एक हजार रूपए की राशि से वह अपनी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होंगी और सम्मानजनक जीवन निर्वाह कर सकेंगी। प्रतिवर्ष महिलाओं को 12000 रूपए मिलेगा। जिलावार प्राप्त आवेदन- महतारी वंदन योजना के अंतर्गत अब तक रायगढ़ जिले में 01 लाख 64 हजार 501, जांजगीर-चांपा में 02 लाख 11 हजार 503, बलरामपुर में 01 लाख 45 हजार 502, बलौदाबाजार में 01 लाख 45 हजार 04, कोण्डागांव 01 लाख 02 हजार 494, कवर्धा 01 लाख 56 हजार 270, सूरजपुर में 01 लाख 71 हजार 102, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 37 हजार 273, गरियाबंद में 01 लाख 30 हजार 66, बेमेतरा में 01 लाख 85 हजार 318, सारंगढ़-बिलाईगढ़ से 01 लाख 55 हजार 280, रायपुर से 04 लाख 57 हजार 166, राजनांदगांव से 01 लाख 62 हजार 763, सक्ती से 01 लाख 12 हजार 609, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई से 74 हजार 939, मुंगेली से 01 लाख 53 हजार 576, बालोद से 01 लाख 83 हजार 725, दंतेवाड़ा से 55 हजार 631, धमतरी से 1 लाख 28 हजार 216, जशपुर से 01 लाख 39 हजार 293, कोरबा से 01 लाख 51 हजार 428, कांकेर से 94 हजार 878, बस्तर से 01 हजार 44 हजार 619, दुर्ग में 02 लाख 42 हजार 258, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से 42 हजार 762, बिलासपुर से 02 लाख 22 हजार 705, सरगुजा से 01 लाख 73 हजार 630, कोरिया से 47 हजार 657, सुकमा से 35 हजार 494, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही से 70 हजार 885, महासमुंद से 02 लाख 93 हजार 933, नारायणपुर से 14 हजार 491 आदि है।

दो दिवसीय आयुष्मान कार्ड महाअभियान का आगाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। दो दिवसीय आयुष्मान कार्ड महाअभियान की शुरुआत से हुई। बड़ी संख्या में हितग्राही राशन दुकानों में अपना आयुष्मान कार्ड बनवाने पहुंच रहे हैं। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए की की गई इस व्यवस्था से हितग्राहियों में खुशी देखी जा रही है। कलेक्टर अवनीश शरण ने शहर के राशन दुकानों का निरीक्षण कर आयुष्मान कार्ड महाअभियान का जायजा लिया।

उन्होंने स्थानीय पार्षदों से भी सहयोग की अपील की। कलेक्टर ने हितग्राहियों से चर्चा कर उनसे जानकारी ली। हितग्राहियों ने इस व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया। कलेक्टर ने सभी ऑपरेटर को पूरी तत्परता और सतर्कता के साथ करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार, डीपीएम पियुली मजूमदार भी साथ में मौजूद थे।

कलेक्टर ने उसलापुर के वार्ड क्रमांक 3के राशन दुकान, गांधीनगर के वार्ड क्रमांक 33 एवं तैबा चैक स्थित वार्ड क्रमांक 25 के राशन दुकान का निरीक्षण कर महाभियान का जायजा लिया। उन्होंने ऑपरेटर को पूरी सावधानी से सभी एंट्री करने के निर्देश दिए। साईं नगर के राशन दुकान में बताया गया कि अभी तक 87 लोगों का कार्ड बनाया जा चुका है और कॉर्ड बनाने में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं आ रही है। पहले दिन आज शहर के 72 राशन दुकानों में कॉर्ड बनाया जा रहा है। पहले ही दिन हजारों की संख्या में लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। गांधी नगर की श्रीमती रेखा भक्तानी ने बताया कि यह जिला प्रशासन द्वारा बहुत अच्छी व्यवस्थाकी गई है। हम कई सालों से आयुष्मान कार्ड बनवाना चाह रहे थे लेकिन बन नहीं पा रहा था। घर के पास ही सुविधा मिलने से हम बहुत खुश हैं।

जैनब हुसैन ने भी इस व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया।गौरतलब है कि 13 फरवरी को वार्ड क्रमांक 36 से 70 तक बनाया जायेगा। सवेरे 10 बजे से शाम 6 बजे तक यहां कार्ड बनाए जायेंगे। कार्ड के इस्तेमाल से 5 लाख रुपए तक की इलाज सुविधा पंजीकृत अस्पतालों में मुफ्त मिलती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, नगर निगम और राजस्व अधिकारियों की ड्यूटी इस अभियान में लगाई गई है। उन्हें मोबाइल एप से कार्ड बनाने गहन रूप से प्रशिक्षित किया गया है। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए केवल राशनकार्ड और आधार कार्ड होना आवश्यक है। परिवार के प्रत्येक सदस्य का अलग-अलग कार्ड बनाया जायेगा।

कलेक्टर ने की कॉर्ड बनवाने की अपील- जिला कलेक्टर अवनीश शरण ने अपील की है कि इस अभियान में अधिक से अधिक लोग सम्मिलित होकर आयुष्मान कार्ड पंजीयन कार्यकम को सफल बनायें। आम जनता की सुविधा के लिए राशन दुकानों में शिविर लगाया जा रहा है। उन्होंने नगर निगम को सभी वार्डों में व्यापक प्रचार प्रसार करने को कहा है। कलेक्टर ने कहा कि लोगों की सुविधा के लिए वार्ड वार राशन दुकानों में शिविर लगाए गए हैं। लेकिन व्यक्ति किसी भी वार्ड में अपना कार्ड बनवा सकता है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

राज्यपाल से केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से गत दिवस राजभवन में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री भारत सरकार अनुप्रिया सिंह पटेल ने पुष्प गुच्छ और शॉल भेंट कर अभिवादन किया। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं से राज्यपाल को अवगत कराया। राज्यपाल ने पटेल को अपनी आत्मकथा पुस्तक ''बैटल नॉट यट ओवर'' और स्मृति चिन्ह भेंट की।

निर्माण कार्यों को समयावधि में पूर्ण करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में हुई। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के तहत् कार्य कर रहे एजेंसियों के अनुबंध की समयावधि में वृद्धि तथा तृतीय पक्ष निरिक्षण कर्ता एजेंसियों के कार्यों पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी के माध्यम से प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु निर्देश दिया। उन्होंने शेष कार्यों को समयावधि में पूर्ण करने कहा। बैठक में कार्यपालन अभियंता एवं सदस्य सचिव, जिला जल एवं स्वच्छता मिशनए फिलिप एक्का द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत योजनाओं की प्रगति से सदस्यों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि रायपुर जिले के कुल 477 ग्रामों में से 275 ग्रामों में कार्य पूर्ण कर हर घर नल से जल प्रदाय हो रहा है एवं शेष 202 ग्रामों में कार्य प्रगतिरत है। साथ ही योजनांतर्गत अब तक कुल राशि रू. 368.57 करोड़ के कार्य किये जा चुके हैं। रायपुर जिले के कुल 1 लाख 90 हजार से अधिक ग्रामीण घरेलु परिवार में से अबतक 1 लाख 75 हजार 621 परिवारों को घरेलु कनेक्शन प्रदाय किए गए हैं, अर्थात् 92ण्43: कार्य पूर्ण किया जा चुका है। तदुपरांत बैठक में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समिति के सदस्यों द्वारा राज्य स्तरीय प्रयोगशाला के लिए सामग्री का अनुमोदन, आई.एस.ए. के तहत् कार्यरत एन्जियो एवं स्व सहायता समूहों के अनुबंध की समयावधि में वृद्धि एवं सपोर्ट तथा डब्ल्यू.क्यू.एम.एस. मदों के तहत् अन्य कार्य किये जाने इत्यादि का अनुमोदन किया गया। इस बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप सहित संबंधी उपस्थित थे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई जिला सहकारी विकास समिति की बैठक

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आज रेडक्रास सभाकक्ष में हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण योजना के तहत जिले की पांच प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में 1 हजार मीट्रिक टन का गोदाम निर्माण किया जाएगा। यह निर्माण सर्वप्रथम पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इन समितियों में किया जाएगा। यह समिति केन्द्री, पिपरोद, सॉकरा, सेजबहार और खुटेरी है। इससे कृषकों को अनाज के भंडारण और सुरक्षा की सुविधा मिलेगी। साथ ही यह भी तय किया गया कि ग्रामीण नल जल योजना का ऑपरेशन एवं मेंटनेन्स पेक्स समितियाँ करेगी। जिसके लिए 5 समितियों साँकरा, गिरोद, खोरसी टेकारी और पचेड़ा का चयन किया गया। समिति के समन्वयक एवं उपायुक्त सहकारिता एन.आर.के चंद्रवंशी के द्वारा बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया गया। साथ ही पिछली बैठक में लिए गए निर्णय पेक्स सशक्तिकरण हेतु कंप्युटरीकरण, पेक्स को कॉमन सर्विस सेंटर के रूप विकसित करने, पेक्स में जन औषधि केंद्र संचालित करने, नेशनल कोआपरेटिव डाटा बेस में समितियों की डाटा प्रविष्टि, पेट्रोल डीलरशीप के लिए पेक्स का चयन आदि के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई।

आपके लिए विकसित छत्तीसगढ़ को संवारने हम यहां बनाते हैं कानून : सीएम विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल के बच्चों से की विधानसभा अवलोकन के दौरान चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्ष 2047 में विकसित छत्तीसगढ़ का जिम्मा संभालने की जिम्मेदारी जिस पीढ़ी पर होगी, उन्हें तैयार करने और गढ़ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय प्रदेश के बच्चों से निरंतर संवाद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आज विधानसभा परिसर का निरीक्षण करने आये बेमेतरा के एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल के बच्चों से विधानसभा कार्यालय कक्ष में मुलाकात की और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद रहे। बच्चे विधायक श्रीमती भावना बोहरा के नेतृत्व में पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि आप लोग जो भी पूछना चाहते हैं पूछें। उन्होंने बच्चों से पूछा भी कि अब तक यहां क्या देखा। बच्चों ने बताया कि वे सेंट्रल हाल गये, विधानसभा की कार्रवाई देखी और यहां की लाइब्रेरी का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों को बताया कि ये सबसे महत्वपूर्ण जगह है जहां पर विधायक प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण कानून तैयार करने मंशा करते हैं प्रदेश को आगे ले जाने की दिशा में काम करते हैं।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को बताया कि आप लोग जब बड़े होंगे तो आपकी पीढ़ी के लोग यहां पहुंचेंगे और छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाएंगे। प्रदेश के बच्चों की अच्छी परवरिश हो, उन्हें बुनियादी सुविधाएं मिल सकें, इसके लिए हमने यहां बजट पारित किया और आने वाले सालों के लिए संकल्प भी तय किये।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जिस तरह से आपने यहां लाइब्रेरी देखी और इसकी प्रशंसा की। उस तरह की लाइब्रेरी रायपुर में नालंदा परिसर के नाम से है जिसमें युवा छात्र तैयारी करते हैं और किताबें पढ़ते हैं। हमने इस बार बजट में इसी तरह से अन्य जिलों में भी 20 लाइब्रेरी तैयार करने का निर्णय लिया है। हर जिले में एक अच्छी लाइब्रेरी होगी, जहां आपके लिए खूब सारी किताबें होंगी और आप इन्हें पढ़कर अपना उज्जवल भविष्य तैयार कर पाएंगे।

छात्र पीयूष राजपूत ने मुख्यमंत्री से पूछा कि आप मुख्यमंत्री हैं तो छत्तीसगढ़ को किस तरह से आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि आपमें से कुछ बच्चे किसान परिवारों से होंगे। हमने किसानों का विशेष ध्यान रखा है। हम उन्हें धान का मूल्य 3100 रुपए प्रति क्विंटल कृषि उन्नति योजना के अंतर्गत दे रहे हैं। हमने 2 साल की बोनस राशि भी किसानों को दी है। हम लोग 21 क्विंटल धान प्रति एकड़ खरीदते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सब वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं लाते हैं जिससे सभी को लाभ होता है। हमने बजट प्रस्ताव भी ऐसा ही रखा है। सभी क्षेत्रों में समुचित विकास की पहल की है जिससे पूरा प्रदेश तरक्की की राह में तेजी से आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बच्चों से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तो हमेशा बच्चों से चर्चा करते रहते हैं। वे बच्चों से पढ़ाई लिखाई के बारे में तथा बच्चों से संबंधित अन्य विषयों पर बच्चों से हमेशा बातचीत करते हैं। छत्तीसगढ़ को संवारने के लिए उन्होंने जो गारंटी प्रदेश के लोगों को दी है। उसे ही पूरा करने की दिशा में हम लोग काम कर रहे हैं।

प्रदेश में कम साक्षरता दर वाले पिछड़े जिलों को शत प्रतिशत साक्षर बनाएंः कटारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (एससीईआरटी) व राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के संचालक राजेंद्र कुमार कटारा ने कहा की नीति आयोग द्वारा निर्धारित आकांक्षी जिलों और प्रदेश में कम साक्षरता दर वाले पिछड़े जिलों को हमें शत प्रतिशत साक्षर बनाने की दिशा में कार्य करना है। इसके लिए भारत सरकार के उल्लास एप में सर्वे का कार्य तत्काल प्रारंभ किया जाए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के ऐसे स्कूलों व कॉलेज के विद्यार्थी गांव में रहने वाले पढ़े-लिखे सदस्य रिटायर्ड पर्सन जो अपने आसपास के असाक्षरों को साक्षर करना चाहते हैं, उन्हें इस कार्य के लिए अभी प्रेरित किया जाए।

इस संबंध में तत्काल उल्लास केन्द्रों में शिक्षार्थियों के अध्ययन का कार्य प्रारंभ करें। श्री कटारा ने कहा कि पूर्व में जिन्हें सर्टिफिक्रेट प्राप्त नहीं हुआ है, उन्हें 17 मार्च को आयोजित राष्ट्रव्यापी महापरीक्षा अभियान में शामिल करना है। वे आज राज्य स्तरीय ऑनलाइन बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रदेश के 33 जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी डाइट के प्रिंसिपल व जिला साक्षरता मिशन के जिला परियोजना अधिकारी शामिल थे।

संचालक कटारा ने कहा कि जिला साक्षरता मिशन का पुनर्गठन करते हुए कलेक्टर की अध्यक्षता में शीघ्र ही बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्कूल एक इकाई के रूप में कार्य करेगी, जहां सामाजिक चेतना केंद्र अथवा उल्लास केंद्र प्रारंभ किए जाएंगे। इन उल्लास केन्द्रो को आकर्षक रूप से सजाया जाएगा, ताकि शिक्षार्थी वहां नियमित रूप से आकर अपनी शिक्षा ग्रहण कर सकें। श्री कटारा ने कहा कि इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक स्तर पर सकारात्मक सोच के साथ मिशन में मोड में काम करने वाले व्यक्तियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए। पांच से दस असाक्षरो को पढ़ने के लिए स्वयं सेवी शिक्षक का चिन्हांकन कर उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया जाए। प्रशिक्षण के लिए एनसीईआरटी नई दिल्ली से प्रशिक्षक भी रायपुर आमंत्रित किए जाएंगे।

संचालक कटारा ने कहा कि प्रौढ़ शिक्षा 'अब सबके लिए शिक्षा' के नाम से जाना जाएगा। साक्षर करने के लिए विशेष रणनीति अपनायी जाएगी, जिसमें आसपास की वस्तुओं के उदाहरण को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे व्यक्ति अक्षर ज्ञान एवं शब्द ज्ञान प्राप्त कर सके। प्रदेश में उल्लास कार्यक्रम के लिए वातावरण का निर्माण भी करेंगे। इसके लिए वर्ष में दो बार सितंबर और मार्च माह में परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

प्रत्येक डाइट एकेडमिक रूप से कार्य और मॉनिटरिंग करेंगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत स्वीकृत नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के लिए एक कार्य योजना राज्य शासन को प्रस्तुत की जा रही है। ऑनलाइन कक्षा की बजाय ऑफलाइन कक्षाओं पर जोर दिया जाएगा।

राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के सहायक संचालक एवं नोडल अधिकारी ने उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के उद्देश्य के संबंध में बताया की नई दिल्ली में आयोजित उल्लास मेले में बहुत कुछ सीखने को मिला है। राज्यों के नवाचारी कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ में लागू किए जाने के लिए साक्षरता के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले राज्य व जिलों का भ्रमण भी कराया जाएगा। इस अवसर पर सहायक संचालक दिनेश कुमार टाक एवं एससीईआरटी के राज्य साक्षरता केंद्र के प्रकोष्ठ प्रभारी डेकेश्वर प्रसाद वर्मा भी उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा घायल जवान से मिलने पहुंचे अस्पताल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा आज बीजापुर जिले में बीते दिनों आईईडी ब्लास्ट में घायल जवान के स्वास्थ्य जानकारी लेने राजधानी रायपुर के रामकृष्ण अस्पताल पहुँचे। इस दौरान मंत्री शर्मा ने घायल जवान पुनीत नेताम का हाल चाल जाना और चिकित्सकों से उपचार के संबंध में आवश्यक जानकारी ली। इस दौरान उपमुख्यमंत्री शर्मा घायल जवान के परिवार जनों एवं उनकी पत्नी को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार आपके साथ है, किसी भी प्रकार की कोई परेशानी होने पर उपमुख्यमंत्री ने अपना मोबाइल नंबर भी दिया। उपमुख्यमंत्री ने मुलाकात के बाद कहा कि राज्य में हमारी सरकार बनने के बाद नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई में तेजी आयी है, आगे भी लड़ाई तेजी से होगी। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अब अपने खात्मे की ओर है। हम आने वाले समय में नक्सलवाद को खत्म करके रहेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपने जवानों के साथ मजबूती से खड़े हैं। हमारी पहली प्राथमिकता जवानों का स्वास्थ्य है इन जवानों की पीड़ा मेरी अपनी पीड़ा हैं, उन्होंने कहा कि जवानों से बात करके उनकी हिम्मत देखकर इस समस्या के खात्मे का संकल्प और मजबूत हो जाता है।

ईलाज के दौरान मरीजों की मौत का होगा डेथ ऑडिट, कारणों पर नियंत्रण की कवायद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग ने आज संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। डॉ. अलंग ने संभाग के सभी जिला अस्पतालों सहित मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में ईलाज के दौरान मरीजों की मौत का डेथ ऑडिट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस डेथ ऑडिट से मरीज के ईलाज के विभिन्न चरणों का क्रमबद्ध ब्योरा पता लगेगा और ईलाज के दौरान मृत्यु के कारणों को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने तकनीकी रूप से मरीजों का गंभीरता से ईलाज करने के निर्देश डॉक्टरों को दिए। डॉ. अलंग ने शिशु मृत्यु, मातृ मृत्यु के साथ-साथ अन्य मरीजों की ईलाज के दौरान मौतों को कम से कम करने के लिए सभी जरूरी उपाय करने के निर्देश भी चिकित्सकों को दिए। संभागायुक्त ने गंभीर मरीजों को समय पर बड़े अस्पतालों को रेफर करने को भी कहा, ताकि समय पर उन्हें उचित ईलाज मिल सके और उनका जीवन बचाया जा सके। इस महत्वपूर्ण बैठक में महासमुंद और रायपुर मेडिकल कॉलेजों के डीन, रायपुर एवं महासमुंद शासकीय अस्पतालों के अधीक्षक सहित मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन के कार्यपालन यंत्री, ब्लड बैंक के प्रभारी और यातायात पुलिस के उप पुलिस अधीक्षक भी शामिल हुए। बैठक में डॉ. अलंग ने मेडिकल कॉलेजों में ऑपरेशन थियेटरों की व्यवस्था, सर्जिकल उपकरणों के साथ-साथ होने वाले ऑपरेशनों और विशेषज्ञ सर्जन डॉक्टरों की उपलब्धता की जानकारी भी ली। उन्होंने ऑपरेशन थियेटरों को संक्रमण मुक्त रखने के लिए जरूरी व्यवस्थाएं और दवाएं-रसायन आदि की पर्याप्त मात्रा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने अस्पतालों में विभागवार मरीजों की भर्ती, संस्थागत प्रसव, दिन एवं रात में सामान्य एवं सिजेरियन प्रसवों का पूरा रिकॉर्ड रखने के लिए भी कहा। डॉ. अलंग ने संस्थागत प्रसव को बढ़ाने के प्रयास भी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्रों सहित दवाओं एवं अन्य संस्थागत निर्माण से जुड़े स्वीकृत तथा लंबित कार्यों की जानकारी भी ली। डॉ. अलंग ने भूमि विवाद, निर्माण कार्य के लिए स्थल चयन ना होने जैसे कारणों को जल्द से जल्द निराकृत करने के लिए संबंधित जिले के कलेक्टरों को पत्र द्वारा तत्काल सूचित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। संभागायुक्त ने चिकित्सा अधोसंरचना विस्तार के शुरू हो चुके निर्माण कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। एक फोन कॉल पर मिलेगी ग्रीन कॉरीडोर की व्यवस्था- बैठक में संभागायुक्त ने जरूरत पड़ने पर ग्रीन कॉरीडोर बनाने की तैयारियों के बारे में भी यातायात पुलिस के अधिकारियों से जानकारी ली। यातायात पुलिस के उप अधीक्षक ने बताया कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति या अस्पताल एक फोन कॉल पर ग्रीन कॉरीडोर की सुविधा ले सकता है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

- जीन्स
- टी-शर्ट
- शर्ट
- ट्राउजर

भारत जीन्स
जवाहर मार्केट,
पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई,
न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn.
& Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana
Talkies & Hotel
Apana Keshari Lodge,
Power House,
Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR
BOOT HOUSE
Jawahar Market,
Power House
Bhilai 9826181183

नेचुरल कलर रूप तो हमारे वश में नहीं, लेकिन उसे निखारना-संवारना हमारे हाथ में है। आइए, हम बताएं आपको वह राज जिससे आप भी जगा सकें अपने रूप का जादू। उचित देखभाल के अभाव में नर्म और खूबसूरत होंठ फटने लगते हैं। इनकी प्राकृतिक सुन्दरता बरकरार रहे इसके लिए विशेष् ध्यान दें।

होंठों की सुंदरता का राज अब आपके पास

बेकिंग सोडा का पेस्ट लिप के लिए आधा टीस्पून बेकिंग सोडा में थोडा-सा पानी मिलाकर पेस्ट बनाएं। टूथब्रश पर तैयार पेस्ट लगाएं और इससे हल्के हाथों से होंठों की मालिश करें। थोडी देर बाद कुनकुने पानी से होंठ धो लें। आखिर में लिप बाम से होंठों को मौइश्चराइज करें।

ग्सिरीन पेस्ट लिप के लिए एक टीस्पून गुलाबजल में 3-4 बूंद ग्लिसरीन डालकर अच्छी तरह मिला लें। तैयार पेस्ट को रोजाना दिन में 3-4 बंदू बार होंठों पर लगाएं। लगातार ऐसा करने से फटे होंठ सौफ्ट बन जाते हैं।

पेट्रोलियम जेली पेस्ट लिप के लिए टूथपेस्ट की तरह टूथब्रश सौफ्ट बेबी ब्रश पर पेट्रोलियम जेली लगाएं और इसे रातभर यूं ही लगा रहने दें। अगले दिन सुबह पेट्रोलियम जेली लगे टूथब्रश से होंठों की धीरे-धीरे मालिश करें, ताकि होंठों की पपडीनुमा स्किन पूरी तरह निकल जाएं।

स्क्रबिंग करें होंठों की आधा टीस्पून पिसी हुई चीनी में औलिव औयल मिलाएं। फिर उंगली या कौटन बौल से चीनी व औलिव औयल के मिश्रण को हल्के से होंठों पर लगाएं। फिर धीरे-धीरे होंठों की तब तक मालिश करें, जब तक होंठों की डेड स्किन पूरी तरह निकल ना जाएं। अब हल्के कुनकुने पानी से होंठों को धो लें। लास्ट में होंठों पर लिप बाम लगा लें। डेली रात में सोन से पहले होंठों की स्क्रबिंग करें।

हनी पेस्ट लिप के लिए एक टीस्पून हनी में आधा टीस्पून चीनी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। फिर तैयार पेस्ट को उंगली या ब्रश से होंठों पर लगाएं, जब ये सूख जाए तो कुनकुने पानी से होंठों को धो लें। आखिर में होंठों पर लिप बाम लगाएं।

कोहनी और घुटने के डार्क रंग से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

धूप की वजह से हमारे कोहनी की त्वचा का रंग शरीर के बाकी हिस्सों से ज्यादा काला दिखाई देता है। इस आर्टिकल में हम आपको कोहनी, घुटनों के कालेपन से छुटकारा पाने के प्राकृतिक उपचार बता रहे हैं।

नींबू के रस का उपयोग

-नींबू के रस में साइट्रिक एसिड होता है। इसे एक प्राकृतिक ब्लीचिंग एजेंट माना जाता है। नींबू का रस लगाने से त्वचा का कालापन कम होता है और धीरे-धीरे दूर हो जाता है। नींबू को आधा काटें और दोनों हिस्सों से थोड़ा सा जूस निकाल लें। इसके बाद इसे कोहनी पर लगाएं। इसके अलावा आप नींबू को काटकर सीधे भी अपनी कोहनी पर रगड़ सकते हैं।

-कोहनी को दो- तीन घंटे तक नहीं धोए। पर्याप्त वक्त के बाद कुनकुने पानी से कोहनी धो लें। ध्यान रखें अगर नींबू के रस से त्वचा रूखी हो जाती है तो उस जगह आप अपना पसंदीदा मोइश्चुराइजर लगा सकते हैं। ऐसा करने पर कुछ ही हफ्तों में आपको परिवर्तन दिखने लग जाएगा।

मलाई और हल्दी लगाए

-मलाई और हल्दी के मिश्रण से कोहनी के डार्क रंग को हल्का किया जा सकता है। यह एक बेहतरीन प्राकृतिक उपचार है। हल्दी एक प्राकृतिक ब्लीचिंग एजेंट है, जो त्वचा में मेलानिन को कम करने में सहायक होता है।

-आधे कप बेसन में एक छोटा चम्मच हल्दी और मलाई मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को अपनी कोहनी पर गोल घुमाते हुए लगाए, फिर पानी से धोकर निकाल लें। यह ध्यान रखें की हल्दी से आपकी त्वचा पर पीला या नारंगी सा रंग आ जाता है, लेकिन ये एक या दो दिन में छूट जाता है।

आजकल आधुनिकता की होड़ में हर कोई तनावग्रस्त है। हम सभी कहीं न कहीं किसी न किसी बात को लेकर उलझन में पड़े हुए हैं, परेशान हैं और उसका हल ढूंढ रहे हैं। कई बार ये तनाव जानलेवा साबित हो जाता है और कई खतरनाक बीमारियों की वजह बन जाता है। मधुमेह, थॉयराइड, हार्ट अटैक और डिप्रेशन जैसी कई बीमारियां, अधिकांशतः तनाव की वजह से होती हैं। इसकी वजह से दैनिक गतिविधियों पर भी असर पड़ता है।

तनाव दूर भगाने वाले स्वास्थ्यवर्धक खाद्य

लम्बे समय तक तनाव में रहना जानलेवा होता है। इसलिए, स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि तनाव से दूर रहने के लिए हर संभव उपचार करना चाहिए। स्वयं को लोगों के साथ व्यस्त रखें, अपने आप को भी समय दें, अच्छी और सकारात्मक बातें ही सोचें। एक्सपर्ट का मानना है कि कई फूड भी ऐसे होते हैं जिनके सेवन से तनाव दूर भाग जाता है।

इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे ही फूड के बारे में बता रहे हैं जिनके सेवन से शरीर में ऐसे तत्व पहुंचते हैं कि मन प्रसन्न हो जाता है और तनाव से मुक्ति मिल जाती है। आइए जानते हैं तनाव को दूर करने वाले खाद्य पदार्थों के बारे में- हरी पत्तेदार सब्जियां: गहरे हरे रंग वाली पत्तेदार सब्जियां, जैसे- पालक आदि में फोलेट की मात्रा अधिक होता है जो मन को बदल देती है, क्योंकि इनमें सेरोटोनिन और डोपामाइन भी शामिल होता है। एक रिसर्च के अनुसार, जो लोग अधिक वसा वाला भोजन करते हैं उनमें तनाव होने का खतरा ज्यादा रहता है। टर्की टकी में अमीनो एसिड की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो शरीर में पहुंचते ही सेरोटोनिन में परिवर्तित हो जाती है। जो लोग ट्रिप्टोफान को लेते हैं, जो कि एक प्रकार का अमीनो एसिड होता है, वो ज्यादा शांत और खुश रहते हैं। कद्दू के बीज, अखरोट और कार्बनिक अंडों में इसकी अच्छी खासी मात्रा होती है। ब्लूबेरी: ब्लूबेरी में एंटीऑक्सीडेंट होता है जो दिमाग को मजबूत और निर्णय लेने में सक्षम बना देता है और मूड को बदलकर अच्छा कर देता है। इसके सेवन से तनाव कम हो जाता है और प्रतिरक्षा क्षमता में बढ़ोत्तरी होती है। 2 शतावरी: शतावरी में फोलेट काफी होता है जो शरीर को ठंडक देता है। अगर इसका सेवन सलाद में किया जाये, तो सबसे अधिक लाभकारी होता है। एवाकाडो: एवाकाडो, वसा को शरीर में नहीं बढ़ने देता है और तनाव को कम कर देता है। इसमें बीटा-कैरोटीन और विटामिन ई होता है जो तनाव के स्तर को काफी घटाने में सहायक होता है।

टमाटर: देखने में अच्छा, स्वास्थ्य के लिए भी

टमाटर जितना देखने में अच्छा लगता है, उतना ही खाने में स्वादिष्ट है और स्वास्थ्यवर्द्धक भी। तभी तो टमाटर का उपयोग सब्जी के रूप में करने साथ-साथ सलाद और चटनी के रूप में बहुतायम में किया जाता है।

टमाटर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम, विटामिन सी पाये जाते हैं। एसिडिटी की शिकायत होने पर टमाटरों की खुराक बढाने से यह शिकायत दूर हो जाती है। लाल-लाल टमाटर देखने में बहुत सुंदर और खाने में स्वादिष्ट होने के साथ पौष्टिक होते है। टमाटर में संतृप्त वसा, सोडियम स्वाभाविक रूप से कम होता है। टमाटर थियमिन, नियासिन, फास्फोरस और तांबा, नियासिन, विटामिन बी-6, मैग्रीशियम प्रदान करता है। जो सभी अच्छी स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

हड्डी मजबूत-टमाटर विटामिन के और कैल्शियम से भरपूर होते है। जो हड्डियां मजबूत करने में मदद करते हैं। चोट के बाद कैल्शियम और विटामिन के अस्थियों के ऊतकों की मरम्मत में सहायता करते है। अगर आप बीमार है और आपकी सेहत में सुधार हो रहा है। तो टमाटर सूप बेस्ट है। हेल्दी त्वचा-टमाटर से आपकी त्वचा को मुलामय बनाने के साथ-साथ लाइनों झुर्रियों का कम करता है।

टमाटर काट कर चेहरे पर मलें। सूखने पर धो लें। टमाटर ब्लीच का काम करता है जिससे रंग निखरता है। ड्राई स्किन वाले पैक धोने के बाद मॉयश्चराइजर लगाएं।

टमाटर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम, विटामिन सी पाये जाते हैं। एसिडिटी की शिकायत होने पर टमाटरों की खुराक बढाने से यह शिकायत दूर हो जाती है।

वेलेंटाइन डे को खास तरह से मनाने के 8 मंत्र

फरवरी महीने को प्यार और रोमांस का महीना भी कहा जाता है। यह वह महीना है जब दिल से दिल जुड़ते हैं और हवाओं में खुशबू का एहसास होती है। दो प्यार करने वाले लोगों के लिये वेलेंटाइन डे बहुत ही खास दिनों में से एक होता है लेकिन वे लोग जो इस दिन भी सिंगल हैं, उन्हें अब बेचैन होने की कोई जरुरत नहीं है। अगर आपको अपने कॉलेज, ऑफिस या पड़ोस की लड़की पर गहरा क्रश है और आप उसे दिल ही दिल प्यार कर बैठे हैं, तो इस वेलेंटाइन डे पर अपने दिल की बात उनसे जरुर कह दें। हम यहां उन लड़कों की बात कर रहे हैं जो यह समझते हैं कि लड़कियां केवल महंगे उपहारों और शो ऑफ करने से मानती हैं। पर दोस्तों प्यार एक खूबसूरत एहसास है, बेहतर यही है कि इसे सिर्फ आप दिल से महसूस करें, तभी आप प्यार का आनंद ले पायेंगे।

आज हम आपको कुछ ऐसे प्यार भरे तरीके बताएंगे जिससे आप अपनी प्रेमिका का दिल जीत कर उसे आई लव यू कहने पर मजबूत कर देगें। आइये जानते हैं क्या हैं वे तरीके।

- पहले से प्लान करें अच्छा होगा कि आप अपनी वेलेंटाइन के लिये पहले से ही तैयारी कर के रखें। इससे आपका वक्त बचेगा। अगर आप डिनर पर उसे ले जाने की सोंच रहे हैं तो उसके लिये एक गिफ्ट, गुलाब के गुल्दस्ते और उसके मन पसंद की चीजें ले कर जाएं।
- ग्रीटिंग कार्ड आप सोंच रहे हैं कि हम कैसी पुराने जमाने वाली बातें कर रहे हैं। पर ग्रीटिंग कार्ड भले ही कितना सस्ता क्यूं न हो, अगर उस पर अपने दिल के दो अल्फाज़ दिख दिये जाएं तो उसकी कीमत लगाना बड़ा ही मुश्किल हो जाता है।
- एक साथ स्पा जाएं अपनी लवर के साथ स्पा जाने का एक्सपीरियसं एक बहुत ही रोमांटिक अवसर हो सकता है। यह काफी रिलैक्सिंग और रोमांटिक मौका होता है।
- उन्हें लेटर लिखें लोग वेलेंटाइन डे को खास बनाने के लिये हजारों रूपए यूं ही उड़ा देते हैं लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आप अपने दिल की बात बस एक सिंपल सी चिठ्ठी से भी कर सकते हैं। लड़कियों को कोई भी चीज़ डीटेल में पढ़ने का बड़ा ही शौक होता है, तो अगर आपने ज़रा सा समय निकाल कर उनके बारे में अच्छी अच्छी बातें लिख दी, तो समझिये कि वो आपकी हो गईं।
- उनके लिये स्पेशल डिनर बनाएं अपनी वाइफ या फिर अपनी लवर के लिए उनकी मनपसंद डिश बना कर खिलाएं। इससे उन्हें एहसास होगा कि आप उनके लिए कुछ भी कर सकते हैं और आप उनसे कितना प्यार करते हैं।
- रोड़ ट्रिप पर जाएं अपनी हमसफर के साथ एक लंबी रोड़ ट्रिप पर जाने की तैयारी कीजिये। इससे आप दोनों को एक साथ कुछ समय बिताने का मौका मिलेगा।
- कैंडल लाइट डिनर यह एक अंतरंग क्षणों में से एक है। आपको अपने दिल की बात कहने के लिये इससे अच्छी जगह नहीं मिलेगी।
- कह दें अपने दिल की बात अगर आपको उनकी जुबान से हां सुनने का मन है तो बिना रूके इस दिन वह सवाल पूछ ही लें, जिसका आप बरसों से इंतजार कर रहे थे। वेलेंटाइन डे से जैसा खास दिन आपको पूरे साल कभी नहीं मिलेगा।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

जनचौपाल में नागरिकों ने कलेक्टर को बताई अपनी समस्याएं

रायपुर । कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट परिसर के रेडक्रॉस सभाकक्ष में जन चौपाल के माध्यम से जिले के विभिन्न स्थानों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। आज जनचौपाल में 42 आवेदन आए। कलेक्टर ने आवेदनों का अवलोकन कर नियमानुसार पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए अधिकारियों से कहा। जनदर्शन में आज ग्राम करहीडीह के किसान फूलसिंह वर्मा ने किसान समृद्धि योजना अंतर्गत विद्युत नहीं मिलने, ग्राम नरदहा निवासी चंदूलाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, राजधानी के ब्राह्मण पारा के हनुमान मंदिर विकास समिति ने अवैध कब्जे की शिकायत, गुढ़ियारी निवासी प्रवेश ठाकरे ने अपनी जमीन के नक्शे में त्रुटि सुधार करवाने, गोकुल नगर ग्वाल पाल संघ ने डेयरी क्षेत्र के बीच में नगर निगम रायपुर द्वारा प्रस्तावित मितानीन सामुदायिक भवन को अन्य जगह बनवाने, विजयलक्ष्मी वर्मा ने राशन कार्ड से अपना नाम कटवाने, भानपुरा निवासी लालाराम मंडले ने वृद्धा पेंशन न मिलने की शिकायत, ग्राम संडी के किसान चंद्रशेखर वर्मा ने धान बेचने के उपरांत राशि आहरण न होने की समस्या संबंधी आवेदन दिया। कलेक्टर ने सभी आवेदनों पर यथासंभव निराकरण करने अधिकारियों को निर्देशित किया। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक सोमवार सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जन चौपाल का आयोजन होता है। जहां जनसामान्य अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पहुंचते है।

कोंडागांव जिले को बनाया जाएगा निर्यात केन्द्र

कोंडागांव। कोंडागांव जिला अपने अद्वितीय हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। इसके साथ ही यहां के लघु वनोपज, लघु धान्य फसल इत्यादि की भी वैश्विक बाजार में मांग बढ़ाई जा सकती है। कोंडागांव जिले के उत्पादों को वैश्विक बाजार में स्थान उपलब्ध कराने के लिए शनिवार को भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत विदेश व्यापार महानिदेशक नागपुर के प्रतिनिधियों द्वारा कोंडागांव में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला कार्यालय के प्रथम तल स्थित सभागार में आयोजित कार्यशाला में क्षेत्र के व्यापारी, राईस मिलर्स, हस्तशिल्पकार, स्व सहायता समूह की महिलाएं आदि उपस्थित थीं। इस अवसर पर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कहा कि आज की कार्यशाला से क्षेत्र के व्यवसायियों को अपने उत्पादों को विदेशी बाजार तक स्थापित करने की प्रेरणा और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। उन्होंने कोंडागांव को हस्तशिल्प की दृष्टि से अद्भुत बताते हुए कहा कि यहां के उत्पादों में क्षमता है, कि वे वैश्विक बाजार में स्थान बना सकते हैं। उन्होंने आगामी छः माह के भीतर उत्पादों को वैश्विक बाजार में निर्यात का लक्ष्य रखते हुए कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि हम मिलकर कार्य करेंगे और जिले को निर्यात केन्द्र के रुप में स्थापित करते हुए राज्य के लिए उदाहरण प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर दुदावत ने इस दौरान निर्यात योग्य सामग्री तैयार करने के लिए पैकेजिंग को महत्वपूर्ण बताते हुए इसके लिए शीघ्र ही प्रशिक्षण प्रदान करने की बात कही। उन्होंने इसके साथ ही ढोकरा शिल्प को परंपरागत रुप से तैयार करने के साथ ही वैश्विक बाजार की मांग अनुरुप तैयार करने पर भी जोर दिया।

विष्णु सरकार के फैसलों से किसानों के खिले चेहरे

श्रीकंचपनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गठित छत्तीसगढ़ द्वारा मात्र दो माह की अल्पावधि में राज्य के किसानों के हित में लिए गए फैसले से राज्य भर के किसान बेहद खुश है। उनके चेहरे खिल गए है और मन में एक नई उम्मीद जागी है। प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी तथा दो साल के बकाया धान बोनस की राशि 3716 करोड़ रूपए का भुगतान होने से खुश किसानों के संगठन और समूहों द्वारा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनके सहयोगी मंत्रीगणों का जगह-जगह स्वागत-अभिनंदन किया जा रहा है। किसान समूहों द्वारा मुख्यमंत्री के स्वागत अभिनंदन का ऐसा ही नजारा बीते दिनों राज्य के सुदूर वनांचल के जिला मुख्यालय नारायणपुर में देखने को मिला।

मुख्यमंत्री साय का नारायणपुर में किसान संगठनों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने किसान के हित में उनकी सरकार द्वारा लिए गए फैसलों को लेकर जोरदार ढंग से स्वागत अभिनंदन किया और मुख्यमंत्री का आभार जताया। किसानों संगठनों के पदाधिकारियों का कहना था कि उन्होंने यह सोचा नहीं था कि धान खरीदी और बकाया बोनस को लेकर विष्णु देव सरकार इतनी तेजी से फैसला लेकर उसे लागू भी कर देगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी में शामिल किसानों के हित से जुड़े मामलों को जिस तेजी के साथ छत्तीसगढ़ सरकार ने लागू किया है, यह स्वागतेय है।

छत्तीसगढ़ की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया है। इस भरोसे को राज्य सरकार ने सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राज्य सरकार ने राज्य के 18 लाख से अधिक पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी है। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। राज्य में समर्थन मूल्य पर रिकार्ड तोड़ धान की खरीदी के बावजूद भी धान बेचने से शेष रह गए किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा धान खरीदी की निर्धारित अवधि में 4 दिन की बढ़ोत्तरी भी की गई।

किसानों का मानना है कि राज्य सरकार के अब तक के फैसलों से यह स्पष्ट हो गया है कि नई सरकार किसानों की हितैषी है। राज्य के किसान भाईयों को 2183 रूपए प्रति क्विंटल के मान से समर्थन मूल्य का भुगतान 48 घण्टे के भीतर उनके बैंक खातों में किया गया है। किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य दिलाने के लिए राज्य सरकार ने कृषक उन्नति योजना लागू करने की तैयारी में है। इस नवीन योजना के क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2024-25 के बजट में 10 हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। भारत कृषि प्रधान देश है। देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और यह राज्य धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कहते है कि एक दौर ऐसा था जब किसानों के पास उन्नत और बेहतर खेती के लिए पूंजी नहीं होती थी। किसानों को साहूकारों से ऊंची ब्याज दर पर रकम लेकर खेती-किसानी करने पड़ती थी। किसान हमेशा कर्ज में फंसे रहते थे। इस स्थिति को देखते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने किसानों के हित में सबसे बड़ा कदम उठाया और किसान क्रेडिट कार्ड की योजना लागू की। इससे किसानों को कम दर पर सोसायटियों एवं बैंकों से कर्ज मिलने लगा।

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2003 में छत्तीसगढ़ में डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में पहली बार भाजपा की सरकार बनी, उस समय सहकारी बैंकों से किसानों को रियायती ब्याज दर पर खेती के लिए कर्ज मिलता था, जिसे धीरे-धीरे घटाकर शून्य प्रतिशत कर दिया गया है। किसानों को बिना ब्याज के खेती-किसानी के लिए ऋण देने का काम छत्तीसगढ़ की रमन सरकार के दौर में शुरू हुआ था। आज भी किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर खेती के लिए लोन मिल रहा है। फसल बीमा जिसका लाभ पूरे देश के किसानों को सहजता से मिल रहा है। इसका श्रेय भी तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को जाता है। उनके कार्यकाल में ही फसल बीमा योजना का सरलीकरण किया गया।

छत्तीसगढ़ में किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री सिंचाई योजना लागू की गई है। सौर सुजला योजना के माध्यम से सरकार ने दूरस्थ वनांचल में, जहां बिजली की सुविधा नहीं है, वहां किसानों के खेतों में भी इस योजना के माध्यम से सौर सुजला सिंचाई पंप स्थापित कर सिंचाई की व्यवस्था की गई है। राज्य में सिंचाई रकबे में विस्तार के लिए नवीन सिंचाई योजना के लिए 300 करोड़ रूपए, लघु सिंचाई की चालू परियोजनाओं के लिए 692 करोड़ रूपए, नाबार्ड पोषित सिंचाई परियोजनाओं के लिए 433 करोड़ रूपए एवं एनीकट तथा स्टाप डेम निर्माण के लिए 262 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान छत्तीसगढ़ सरकार ने किया है। छत्तीसगढ़ में किसानों एवं भूमिहीन मजदूरों की स्थिति में सुधार, कृषि एवं सहायक गतिविधियां के लिए समन्वित प्रयास पर राज्य सरकार का फोकस है। कृषि विभाग के बजट में बीते वर्ष की तुलना में वर्ष 2024-25 में 33 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 13 हजार 435 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। किसानों को सहकारी एवं ग्रामीण बैंकों से ब्याज मुक्त कृषि ऋण उपलब्ध कराने के लिए 8500 करोड़ रूपए की साख सीमा छत्तीगसढ़ सरकार ने तय की है।

तकनीशियनों की संख्या बढ़ने से हैंडपंपों की मरम्मत और रखररखाव की व्यवस्था होगी सुदृढ़ : उप मुख्यमंत्री

श्रीकंचपनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव ने व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) द्वारा प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से चयनित 135 नए हैंडपंप तकनीशियनों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इन्हें प्रदेश भर में ग्रामीण इलाकों में पदस्थ किया गया है। साव ने उम्मीद जताई कि विभाग में हैंडपंप तकनीशियनों की संख्या बढ़ने से इनकी मरम्मत, रखरखाव और पेयजल की गुणवत्ता नियंत्रण की व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

रायपुर के नवीन विश्राम भवन में आयोजित कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक, जल जीवन मिशन के संचालक सुनील जैन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता डॉ. एम.एल. अग्रवाल भी शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नवनियुक्त तकनीशियनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज से आप लोगों के जीवन का एक नया अध्याय प्रारंभ हो रहा है। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद आप लोग एक अलग ही अहसास से गुजर रहे होंगे। पर यह आप लोगों की मंजिल नहीं है, केवल एक पड़ाव है। संतुष्ट होकर बैठना नहीं है, बल्कि लगातार आगे बढ़ते जाना है।

उन्होंने कहा कि आप लोगों की ऊर्जा और कौशल से विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की सुचारू व्यवस्था में सहायता मिलेगी। हैंडपंपों की मरम्मत और रखरखाव के कार्यों में तेजी आएगी। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि नई भर्ती की जानकारी मिलने पर मैंने विभागीय अधिकारियों को जल्द से जल्द काउंसिलिंग कर नियुक्ति पत्र प्रदान करने के लिए निर्देशित किया था। मैं आप सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर आप लोगों की सक्रियता और अच्छे कार्यों से आप लोगों का मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इससे विभाग का भी सम्मान बढ़ेगा। उन्होंने नई ऊर्जा के साथ सभी नवनियुक्त हैंडपंप तकनीशियनों को विभागीय कार्यों में सहयोग करने को कहा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक ने कार्यक्रम में कहा कि सभी नए तकनीशियन फील्ड में अपने कार्यों को गंभीरता से अंजाम देंगे और प्रदेशवासियों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने में विभाग की सहायता करेंगे, ऐसी उन्हें उम्मीद है। आप सभी अपनी भूमिका का अच्छे से निर्वहन करें। आपकी अच्छी सेवाओं से विभाग की बेहतर छबि बनेगी। विभाग आपके हर अच्छे कार्य को प्रोत्साहित करेगा और सभी जरूरी सहयोग मुहैया कराएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी तकनीशियन अपने कार्यों का अच्छा प्रशिक्षण लेंगे और अपने कौशल को दक्षता के साथ अमल में लाएंगे। रायपुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता राजेश गुप्ता और मंत्रालय में विभागीय ओ.एस.डी. टी.डी. शांडिल्य सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अनेक अधिकारी-कर्मचारी भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

महतारी वंदन योजनाः सुदूर वनांचल ग्राम की महिलाओं में खुशी की लहर

श्रीकंचपनपथ न्यूज

मुंगेली। राज्य शासन द्वारा महिला सशक्तिकरण और आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देने तथा स्वास्थ्य व पोषण स्तर में सुधार लाने 'महतारी वंदन योजना' शुरू की है, जिसे लेकर मैदानी क्षेत्रों के साथ सुदूर वनांचल ग्रामों की महिलाओं में खुशी की लहर है। योजना का लाभ लेने विकासखण्ड लोरमी के ग्राम बिजराकछार में एक ही दिन में 250 महिलाओं ने आवेदन भरा।

कलेक्टर राहुल देव के मार्गदर्शन में महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी ग्राम पंचायतों और आंगनबाड़ी केन्द्रों के साथ कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर योजना की जानकारी देकर महिलाओं से आवेदन फार्म भरवाया जा रहा है। जिले के तीनों विकासखण्ड में अब तक 01 लाख 53 हजार 576 से अधिक महिलाओं द्वारा आवेदन भर लिया गया है। वहीं 66 हजार से अधिक आवेदन की आनलाईन पोर्टल में एंट्री की जा चुकी है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महतारी वंदन योजना लागू करने का निर्णय लिया गया है। योजना के तहत 05 फरवरी से आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 20 फरवरी तक निर्धारित की गई है।

योजना अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 01 हजार रूपए अर्थात साल के 12 हजार रूपए आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरित की जाएगी तथा विभिन्न पेंशन योजनाओं से पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाओं को एक हजार रूपए से कम पेंशन राशि प्राप्त होने से शेष अंतर की राशि का भुगतान होगा।

योजना का लाभ लेने के लिए आंगनबाड़ी केंद्र, ग्राम पंचायत सचिव, बाल विकास परियोजना कार्यालय, नगरीय क्षेत्रों में वार्ड प्रभारी की लॉगिन आईडी या आवेदक स्वयं ऑनलाइन पोर्टल https//www.mahtarivandan.cgstate.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे।

महतारी वंदन योजना से आर्थिक स्वावलंबन को मिलेगा बढ़ावा

श्रीकंचपनपथ न्यूज

Durg Division, Chhattisgarh 2024.02.05 09:54
By Raju Baksh

गरियाबंद। जिले में शासन की महतारी वंदन योजना अंतर्गत फार्म भरने के लिए महिलाएं बड़ी संख्या में उत्साह के साथ आंगनबाड़ी केन्द्र एवं वार्ड कार्यालय में पहुंच रही हैं। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में इस योजना के प्रति महिलाओं में उत्साह एवं हर्ष व्याप्त है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संवेदनशील पहल से बजट में भी इसके लिए प्रावधान कर लिया गया है।

महतारी वंदन योजना महिलाओं की वित्तीय आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण और कारगर कदम साबित होंगी। इससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा। जिससे महिलाएं स्वयं एवं परिवार के विकास में लगातार सकारात्मक भागीदारी निभाएंगी। शासन की ओर से प्रतिमाह 1 हजार रुपए मिलने से प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक स्वावलम्बन में बढ़ोत्तरी होगी। साथ ही उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में भी लगातार सुधार होगा। परिवार में महिलाओं की निर्णायक भूमिका सुदृढ़ होगी।

कलेक्टर दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में महतारी वंदन योजना के फार्म भरवाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। जिले में महिलाओं द्वारा इस योजना का लाभ लेने के लिए अब तक कुल 01 लाख 30 हजार से अधिक आवेदन जमा किए गए हैं। जिले में पर्याप्त संख्या में फार्म उपलब्ध हैं। पात्र हितग्राहियों को शासन की इस महती योजना से लाभ मिले इसके लिए लगातार फार्म भराए जा रहे है। इसके साथ ही इस योजना के संबंध में महिलाओं को दिक्कत न हो इसलिए उन्हें मार्गदर्शन देते हुए आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में जानकारी दी जा रही है। राजिम निवासी बिंदु सोनकर और पूनम सोनकर ने महतारी वंदन योजना पर खुशी जताते हुए कहा कि इस योजना से आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा मिलेगा साथ ही महिलाएँ आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होंगी। इसी तरह श्रीमती राधा देवांगन ने बताया कि आज मैं फार्म भरने आई हूँ। यह योजना बहुत अच्छी है। इस योजना से मिलने वाले पैसे स्वयं के अलावा परिवार के विकास में भी सहायक होंगी। साथ ही इस राशि से स्वयं के देखरेख, स्वास्थ्य एवं बच्चों की शिक्षा में भी मददगार होंगी। महिलाओं ने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में आर्थिक स्वावलंबन, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार, परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका सुदृढ़ करने के उद्देश्य से महतारी वंदन योजना की शुरूआत की गई है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रूपए की राशि डीबीटी के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

योजनांतर्गत आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20 फरवरी 2024 है और पात्र महिला हितग्राही को राशि का अंतरण 8 मार्च 2024 को किया जाएगा। महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए विभाग द्वारा ूपद और मोबाइल ऐप जारी किया गया है।

माता-पिता की सेवा और उनके आशीर्वाद के बिना जीवन अधूराः मंत्री बृजमोहन अग्रवाल

श्रीकंचपनपथ न्यूज

रायपुर। माता-पिता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता है। भगवान गणेश जी ने माता-पिता की परिक्रमा को ही ब्रह्मांड की परिक्रमा माना था और संसार में प्रथम पूज्य का स्थान प्राप्त किया था। माता-पिता की सेवा करने वाले गणपति के समान बुद्धिमान बनते हैं। माता-पिता की सेवा और उनके आशीर्वाद के बिना जीवन अधूरा है। यह हमारे संस्कार भी हैं और संस्कृति भी। यह कहना है छत्तीसगढ़ के शिक्षा एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल का।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा 14 फरवरी को मातृ-पितृ पूजन दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा के बाद संस्कृती मंत्री अग्रवाल ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा की, अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देने और अपनी संस्कृति को सहेज कर रखने के लिए हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ में 14 फरवरी को बसंत पंचमी के दिन मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि, माननीय मुख्यमंत्री ी विष्णु देव साय ने 14 फरवरी को मातृ पितृ पूजन दिवस मनाने के निर्देश दिए हैं। अपने माता पिता का पूजन करें, पैर छूकर उनका आशीर्वाद लें। माता-पिता की सेवा और आशीर्वाद से बढ़कर दुनिया में कुछ नहीं है। जीवन में सफलता का मूल मंत्र है माता-पिता की सेवा और उनका आशीर्वाद। इसलिए बसंत पंचमी के दिन 14 फरवरी को पूरे छत्तीसगढ़ में मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाया जायेगा। सभी स्कूलों, कॉलेजों के साथ ही सामाजिक संस्थाएं भी इस दिन पर विशेष आयोजन करें और बच्चों में माता-पिता के सम्मान करने उनसे आशीर्वाद लेने को कहें।

श्री अग्रवाल ने कहा कि पहले भी हमारी सरकार के द्वारा मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाया जाता था। उन्होंने कहा कि संस्कार और संस्कृति के बिना हम अच्छे नागरिक नहीं बन सकते और उसके बिना अच्छे राष्ट्र का निर्माण नहीं हो सकता है।

न्याय महाभियान योजना के तहत 859 ग्रामीणों का किया गया जांच एवं उपचार

गरियाबंद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान योजना का शुभारंभ 15 जनवरी 2024 को किया था। जिसका उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को केन्द्र की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करना है। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल के निर्देश पर जिले में जनजाति न्याय महाभियान के तहत जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति (पीवीटीजीएस) क्षेत्रों में लगातार शिविर लगाकर विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा हैं।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

पति और ससुर के साथ मिलकर कर दी पूर्व पति की हत्या, तालाब में फेंका शव

कबीरधाम। कुकदुर थाना क्षेत्र के पंडरीपानी गांव में सोमवार को हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। घरेलू विवाद के कारण पत्नी ने अपने वर्तमान पति व ससुर के साथ मिलकर पूर्व पति की हत्या कर दी।

मिली जानकारी अनुसार, कुकदुर थाना क्षेत्र के पंडरीपानी गांव में रहने वाली सुखबती मरावी (35) ने अपने पति अमरदयाल (35) और ससुर बुधवा राम मरकाम (65) के साथ मिलकर अपने पूर्व पति सुरेश मरावी (40) की हत्या कर दी। सुखबती मरावी मूलरूप से मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिला की रहने वाली हैं। सुरेश मरावी रविवार रात को आरोपी बुधवाराम मरकाम के घर पहुंचा हुआ था। सुरेश का कहना था कि उसकी पत्नी की दूसरी शादी कर दी है। इसे लेकर विवाद शुरू हो गया। तीनों आरोपी ने एक साथ डंडे से मारपीट कर सुरेश की हत्या कर दी। शव को गांव के तालाब के पास फेंक दिया। सोमवार को पुलिस के पास जानकारी आने के बाद तालाब के पास से शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

पत्नी से झगड़े के बाद पति ने घर में लगाई आग, दो बच्चे झुलसे, छत तोड़कर निकाले गए बाहर

जगदलपुर। परपा थाना क्षेत्र के करंजी गांव में पति और पत्नी का आपस में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने घर में आग लगा दी। इस दौरान दो बच्चे झुलस गए, जिन्हें घर की छत को तोड़कर बाहर निकाला गया। वहीं, दोनों बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस के मुताबिक, करंजी गांव के एक घर में आग लगने की सूचना डायल 112 पुलिस को मिली थी। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आग बुझाने की कोशिश की। घर में मौजूद दो लोगों के घायल होने की सूचना मिली। इसके बाद घर की छत तोड़कर सोहन कश्यप (18) और महादेव कश्यप (13) पुत्र सुखदेव कश्यप को बाहर निकाला गया। दोनों आग से झुलस गए थे, जिन्हें एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भेजा गया। सुखदेव कश्यप ने बताया कि किसी बात को लेकर अपनी पत्नी से उसका झगड़ा हो रहा था। दोनों लड़ते हुए घर से बाहर निकले। जिस दौरान यह लड़ाई हो रही था, उस समय दोनों बच्चे घर में सो रहे थे। लड़ाई करते हुए आरोपी ने कपड़ा जलाकर घर में आग लगा दी, जिससे घर जलने लगा। घर में आग लगती देखकर पत्नी ने आसपास के लोगों को बुलाया। पुलिस को सूचना दी गई और दोनों बच्चों को बाहर निकाला गया। घटना के कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर किसी तरह काबू पाया।

व्यवसायी ने बांध में कूदकर दे दी जान, फेसबुक पर स्टोरी डालकर पड़ोसी को बताया जिम्मेदार

सूरजपुर जिले का मामला, आगजनी को लेकर पड़ोसी दुकानदार कर रहा था प्रताड़ित

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में सोमवार को एक युवक ने बांध में कूदकर अपनी जान दे दी। जरही गांव के रहने वाले युवक ने आत्महत्या से पहले आज सुबह की फेसबुक पर स्टोरी डालकर पड़ोसियों को इसका जिम्मेदार बताया है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। परिजनों के साथ ही गांव वालों ने जरही चौक में शव को रखकर अंबिकापुर-बनारस मुख्यमार्ग में चक्काजाम कर दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाइश दी। इस दौरान गांव में तनाव का माहौल बना रहा।

मिली जानकारी के अनुसार जिले के भटगांव थाना क्षेत्र के जरही गांव में अंबिकापुर मुख्यमार्ग में संचालित विक्की क्लॉथ स्टोर्स के संचालक बिट्टू गुप्ता (24) सोमवार की सुबह अपनी बुलेट से डुमरिया डेम पहुंचा। अपनी जैकेट व मोबाइल को बांध किनारे रखकर डेम में कूद गया। इस दौरान मौके पर टहल रहे लोगों ने उसे डेम में कूदते देखा। कुछ लोगों ने उसके घरवालों को सूचना दी। सूचना के बाद घरवाले पहुंचे और पुलिस भी पहुंच गई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस के मौजूदगी में बिट्टू गुप्ता को बाहर निकाला गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

आत्महत्या से पहले मृतक बिट्टू गुप्ता ने फेसबुक स्टोरी डाली थी। मृतक बिट्टू गुप्ता ने सुबह अपने फेसबुक स्टेरी पर पोस्ट लिखा जिसमें उसने पड़ोस के हिमांशु क्लॉथ स्टोर के संचालक व उसके परिवार को अपनी आत्महत्या के लिए जिम्मेदार बताया है। दरअसल तीन दिन पहले हिमांशु क्लॉथ स्टोर में आग लग गई थी। इसकी जांच भटगांव पुलिस व डॉग स्क्वायड ने की थी। आगजनी को लेकर जरही व्यापार संघ भी तुलसी गुप्ता, बिट्टू गुप्ता के परिजनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा था। रविवार दोपहर को व्यवसाईयों ने भटगांव थाना पहुंच घटना में संलिप्त व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। वहीं कार्रवाई नहीं किए जाने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठने की चेतावनी भी दी थी। इसके बाद पुलिस ने बिट्टू गुप्ता व परिजनों को पूछताछ के लिए थाने बुलाया था एवं रात को छोड़ा था। यही नहीं आगजनी के लिए बिट्टू गुप्ता एवं परिवार के सदस्यों को दोषी मानकर उनके खिलाफ एफआईआर करने दबाव डाला जा रहा था। इससे बिट्टू गुप्ता काफी परेशान था और इसी परेशानी के कारण उसने आत्महत्या कर ली।

फेसबुक स्टोरी के आधार पर कार्रवाई की मांग

बिट्टू गुप्ता की आत्महत्या के बाद परिजनों व आसपास के लोगो ने हिमांशु क्लॉथ स्टोर के संचालक व उसके परिवार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। इसे लेकर परिवार के लोगों ने अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। काफी देर तक यहां पुलिस व परिजनों के बीच बातचीत होती रही। पुलिस द्वारा परिजनों को समझाइश दी जा रही थी लेकिन परिजन भी अड़े रहे। चक्काजाम के कारण तीन घंटे से ज्यादा वाहनों का अवागनम प्रभावित रहा। पुलिस ने कार्रवाई का भरोसा दिलाया तो लोग वहां से हटे। इस दौरान प्रतापपुर एसडीएम दीपिका नेताम, एएसपी सूरजपुर शोभराज अग्रवाल ने मोर्चा संभाला।

18 फरवरी को होनी थी शादी

परिजनों ने बताया कि बिट्टू गुप्ता की शादी 18 फरवरी को अंबिकापुर के सीतापुर में होना था। घर पर उसकी शादी की तैयारियां की जा रही थी। मृतक ने अपने फेसबुक पोस्ट में माता पिता व होने वाली पत्नी को सॉरी लिखा। उसने लिखा कि आरोप लगने के कारण वह परेशान है जबकि उसने कुछ भी नहीं किया। इस पूरे मामले को लेकर परिजनों ने एक आईपीएस अफसर पर भी उन्हें फंसाने का आरोप लगाया। इस घटना से जरही गांव में तनाव की स्थिति है और जिस घर में कुछ दिन बाद शादी की शहनाई बचने वाली थी और पूरा घर खुश था वहां इस घटना बाद मातम पसरा हुआ है।

तेज रफ्तार कार ने कारोबारी कुचला, मौके पर मौत

- रायपुर में चाय पीने सड़क कर रहा था पार तभी हुआ हादसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में सोमवार को सुबह तेज रफ्तार कार ने सड़क पार कर रहे एक कारोबारी को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर मौत हो गई। वहीं हिट एंड रन के बाद कार चालक मौके से भाग गया। पूरा मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र के आनंद नगर ढाल के पास का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृत कारोबारी का नाम ईश्वर पिल्ले (46) है, पिता का नाम सुब्रमण्यम पुल्ले है। ईश्वर पिल्ले टूर एंड ट्रेवल्स का संचालक था। बताया जा रहा है कि ईश्वर पिल्ले तेलीबांधा तालाब के पास कार खड़ी कर चाय दुकान जाने के लिए सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान कार ने टक्कर मारी है।

पुलिस को मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। शरीर के अलग-अलग हिस्से में गंभीर चोटें आई है। खून ज्यादा बह जाने के कारण मौत हो गई। तेलीबांधा थाना प्रभारी फैजुल शाह ने बताया कि ईश्वर पिल्ले केरला का रहने वाला था, जो रायपुर के शांति नगर सिंचाई कॉलोनी में रहता था। वहीं अज्ञात कार चालक के खिलाफ तेलीबांधा थाने में स्नढ्ढक्र दर्ज कर लिया गया है। मामले में पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। आरोपी को जल्द पकड़ लिया जाएगा।

पता पूछने आए 3 लोगों ने आंख में मिर्च पाउडर डालकर लूट लिए कार और 25 हजार रुपए

- नवा रायपुर के निमोरा की घटना, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर में आंखों में लाल मिर्च पाउडर डालकर लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। राखी थाना क्षेत्र में दंतेवाड़ा के कारोबारी से रास्ता पूछने के लिए बाइक में 3 लोग पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने आँख में मिर्च पाउडर डालकर 25 हजार रुपए और कार लेकर फरार हो गए।

इस मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगो के खिलाफ शिकायत दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक दंतेवाड़ा का कारोबारी जय नारायण सिंह अपने परिवार के साथ रायपुर आ रहा था। पता पुछने के बहाने अरोपियों ने घटना को अंजाम दिया है। जय नारायण सिंह ने पुलिस से शिकायत में बताया कि मैं अपनी पत्नी और बड़े भाई के साथ अपनी कार से धमतरी से रायपुर नेशनल हाईवे रोड से आ रहा था । इसी दौरान निमोरा के पास गाड़ी रोककर किनारे खड़ा किया। इसी दौरान बाइक सवार 3 युवकों ने पता पूछने के लिए आए। पता बताते ही एक युवक ने कार की खिड़की से हाथ डालकर गाड़ी की चाबी निकालने की कोशिश की। मैंने उसका हाथ पकड़ा तो दूसरे युवक ने मेरी आंखों में किसी केमिकल का स्प्रे किया जिससे आंखों में जलन होने लगी और दिखाई देना बंद हो गया।

जय नारायण ने अपनी शिकायत में बताया युवकों ने इस दौरान मार मारपीट शुरू कर दी। और नुकीली चीज कंधे पर हमला करते हुए जान से मारने की धमकी और नीचे गिराकर पिटाई की। 3 बदमाशों में से एक कार लेकर भाग गया और दो अन्य बाइक लेकर भाग गए।

जिस कार को लेकर बदमाश फरार हुए उसमें बैग में 25 हजार रुपए नकद थे। प्रार्थी ने डायल-112 पर काल घटना की जानकारी दी। पुलिस प्रार्थी को थाने ले जाकर रिपोर्ट दर्ज की गई ।राखी थाना पुलिस ने इस में तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 323, 396 और 506 के तहत अपराध दर्ज किया है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले कर अरोपियों की तलाश कर रही है ।

फर्जी खाता खुलवाकर ठगी करने वाले आरोपी को झारखंड से पुलिस ने दबोचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में साइबर सेल व मणीपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने फर्जी खाता खुलवाकर ठगी करने वाले एक आरोपी को झारखंड से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक मोबाइल, तीन एटीएम कार्ड और एक लैपटॉप बरामद किया है।

पीड़ित विजय पाल (27) ने 10 फरवरी को पुलिस को तहरीर दी थी। पुलिस को दी तहरीर में पीड़ित ने बताया कि उसका रिश्तेदार आदित्य महंत एक कंपनी का मैनेजर है। सन् 2022 में उसने कई लोगोंका पंजीयन कर रोजगार दिलाने की बात कही। इसके बाद विजय ने अपना आधार कार्ड, पैने कार्ड और अन्य दस्तावेज देकर अपना ऑनलाइन पंजीयन कराया। पंजीयन के बाद आदित्या महंत से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन विजय पाल का आदित्य महंत से संपर्क नहीं हो सका।

22 जनवरी को गुजरात पुलिस ने विजय पाल एक अन्य व्यक्ति के खाते से रुपये लेनदेन के मामले में नोटिस भेजा। इसके बाद विनय को पता चला कि आदित्य महंत ने उसका फर्जी खात बनाकर उस पर ठगी कर रहा है। इस बैंक अकाउंट से 11 लाख 62 हजार 939 रुपये का लेनदेन किया गया है। विजय पाल को इस खाते से संबंधित कोई जानकारी नहीं थी। गुजरात पुलिस द्वारा नोटिस भेजने पर विजय पाल को घटना की जानकारी हुई। हालांकि अब पुलिस ने आरोपी को झारखंड से गिरफ्तार कर लिया गया है।

उत्कल एक्सप्रेस के पैंट्री कार में छापा

रेलनीर की जगह दूसरी ब्रांड का बेच रहे थे पानी, रेस्ट लिस्ट भी तय नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

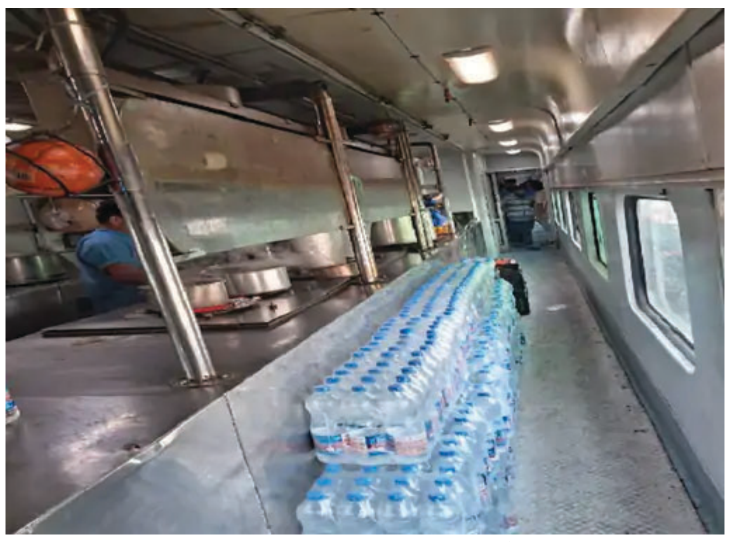

बिलासपुर। एक्सप्रेस ट्रेनों की पैंट्री कार में दूसरी ब्रांड की पानी की बोतल बेची जा रही है। इसका खुलासा रविवार को योगनगरी ऋषिकेश से पुरी जाने वाली उत्कल एक्सप्रेस में छापेमारी के दौरान हुआ। रेलवे की टीम ने ट्रेन से 9 कैरेट दूसरी ब्रांड का पानी जब्त किया है। जांच के दौरान पैंट्री कार के भोजन का रेस्ट लिस्ट भी तय नहीं था। लिहाजा, टीम ने सुपरवाइजर को कड़ी फटकार लगाई। पैंट्री कार में रेलनीर के साथ दूसरी ब्रांड की इन पानी की बोतलों को कर्मचारी ने छिपाकर रखा था। टीम ने कर्मचारी को पकड़कर आरपीएफ के हवाले कर दिया है।

दरअसल, ट्रेन हो या रेलवे स्टेशन सभी जगह रेलनीर ही बेचना है। दूसरे ब्रांड का पानी बेचने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। रेलवे स्टेशन और पैंट्रीकार में कर्मचारी चोरी-छिपे प्रतिबंधित पानी बोतल की बिक्री कर रहे हैं। इस पर रोक लगाने के लिए रेलवे की टीम लगातार रेलवे स्टेशन और ट्रेनों की जांच कर रही है। इसके बावजूद कर्मचारी मनमानी कर रहे हैं।

उत्कल एक्सप्रेस की जांच में गोरखधंधा उजागर

रविवार को उत्कल एक्सप्रेस की जांच में इसी तरह की लापरवाही सामने आई। रेलवे और आरपीएफ की टीम ने जब औचक जांच की, तो उन्हें पैंट्री कार के एक किनारे में रेलनीर की बोतलें नजर आईं। टीम यही समझ रही थी कि सभी बोतलें रेलनीर की हैं, लेकिन जैसे ही ऊपर के कैरेट को हटाकर देखा गया, तो नीचे दूसरे ब्रांड का पानी था। इस पर जांच टीम ने पहले तो पैंट्री कार सुपरवाइजर को जमकर फटकार लगाई। उसके बाद 9 कैरेट पानी की बोतल को जब्त कर लिया गया। इसके साथ ही पैंट्री कार के एक कर्मचारी को भी उतारा गया। उसके खिलाफ अपराध दर्ज कर आरपीएफ पोस्ट के हवाले कर दिया गया है।

कर्मचारियों को मिलता है ज्यादा कमीशन

दरअसल पैंट्री कार के कर्मचारी इस तरह की मनमानी इसलिए करते हैं, क्योंकि रेलनीर से ज्यादा दूसरे ब्रांड का पानी बेचने में फायदा है। उन्हें दूसरी ब्रांड का पानी बेचने में ज्यादा कमीशन मिलता है। टीम ने जांच रिपोर्ट बनाकर सीनियर डीसीएम को दिया है। वह इस मामले में आगे की कार्रवाई तय करेंगे। जुर्माना होना तय है। मालूम हो कि यह ट्रेन ईस्ट कोस्ट रेलवे की है। वर्तमान में पैंट्री कार का ठेका रूप कैटरर्स के पास है। जांच के दौरान खाने के पैकेट पर रेट लिस्ट नहीं मिला। नियमानुसार रेट लिस्ट लगाना अनिवार्य है, ताकि यात्रियों को निर्धारित कीमत पर भोजन के पैकेट बेचे जा सकें। उनसे ओवरचार्जिंग न लिया जाए। रिपोर्ट में इसका भी जिक्र किया गया है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी परियोजना खण्ड-बेमेतरा (छ.ग.)

Gov.mail : eeprobem.phe-cg@nic.in

मैन्यूअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र 'सी' में प्रतिशत दर पर **जिला-बेमेतरा के नवागढ़ समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत संचालित जल शोधन संयंत्र के संचालन-संधारण हेतु केमिकल्स् प्रदाय कार्य की निविदा हेतु** मैन्यूअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

नि.आ.सू.क्र. एवं दिनांक	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
13/09.02.2024	विकासखंड नवागढ़ स.ज.प्र. योजना के ग्राम-अडार	2.863

टीप:- निविदा की अन्य शर्ते कार्यालयीन समय पर देखी जा सकती है। निविदा प्रपत्र क्रय करने के लिए खंड कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 15.02.2024 सायं 5.00 बजे तक है एवं खंड कार्यालय से कोरे निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 20.02.2024 सायं 5.30 बजे तक तथा खंड कार्यालय में निविदाएं से जमा करने की अंतिम तिथि 26.02.2024 सायं 4.00 बजे तक स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक द्वारा स्वीकार किये जा सकेंगे।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी परियोजना खण्ड
बेमेतरा (छ.ग.)

जी-07711/3

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

बीएसपी, सेल वॉलीबॉल चैंपियनशिप 2023-24 की करेगा मेजबानी

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र, 15 से 17 फरवरी 2024 के मध्य भिलाई में आयोजित सेल वॉलीबॉल चैंपियनशिप 2023-24 की मेजबानी करने जा रहा है। इस 3 दिवसीय चैंपियनशिप का आयोजन वॉलीबॉल कॉम्प्लेक्स, पंत स्टेडियम, सेक्टर-01, भिलाई में किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में भिलाई इस्पात संयंत्र की वॉलीबॉल टीम के साथ-साथ विभिन्न इस्पात संयंत्रों की कुल 10 टीमें भाग ले रही है। भाग लेने वाली अन्य टीमों में एएसपी और डीएसपी, दुर्गापुर, आईएसपी, बर्नपुर, आरडीसीआईएस, रांची, आरएसपी, राउरकेला, एसएसपी, सेलम, आरआईएनएल, बीएसएल, बोकारो, एसआरयू और सेल-कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली की टीम शामिल हैं। भिलाई इस्पात संयंत्र का खेल, सांस्कृतिक और नागरिक सुविधाएं विभाग इस 3 दिवसीय चैंपियनशिप का आयोजन कर रहा है।

जागरूक कर कर दाताओं को भेंट किया गुलस्ता:

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग ने बड़े बकायादारों के घर घर पहुँचकर टैक्स वसूली हेतु दस्तक देने प्रारंभ कर दिया है। उसका नतीजा यह है कि फरवरी माह में छुट्टी के दिन को छोडकर 10 फरवरी तक 1 करोड़ 5 लाख रुपये का टैक्स कलेक्शन किया है ।जबकि फरवरी माह में कुल 5 करोड़ रुपये टैक्स कलेक्शन का लक्ष्य आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने राजस्व/स्पैरो को टैक्स वसूली हेतु दिया गया है ।बड़े बकायादारों को नोटिस जारी कर बकाया टैक्स की राशि जमा करने हेतु सूचित कर दिया गया है ।राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता ,उप राजस्व निरीक्षक निशांत यादव,योगेश सूरे,स्पैरो मैनेजर अंकुर राहुल एवं निगम के एआईआई और टीएल एवं टीसी के द्वारा हर बड़े बकायादारों एवं छोटे बकायादारों दोनो के घर पहुँचकर उन्हें टैक्स की राशि जमा करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है ।एवं जागरूक करदाता जिनके द्वारा करो कि राशी जमा कर दी जा रही है ।उन्हें गुलदस्ता भेंट किया जा रही है ।जिसके तहत जलाराम वाटिका के मुकेश ,सरस्वती विद्यापीठ के यादव,एवं इंदौर सेव भंडार से साहू ओर बड़े जागरूक कर दाताओं का गुलदस्ता भेंट कर उनका सम्मान किया जा रहा है ।नगर निगम द्वारा बड़े बकायादारों को जिन्होंने करो कि राशि का भुगतान नही किया है नोटिस मिलने के बाद भी ऐसे लोगो के विरुद्ध कुर्की वारंट भी जारी करने की तैयारी कर ली गई है।

वसंत पंचमी पर साहित्य सृजन परिषद की समीक्षा-कवि गोष्ठी 14 को

भिलाई। सरस्वती जयन्ती एवं बसंत पंचमी के अवसर पर 14 फरवरी बुधवार को साहित्य सृजन परिषद , भिलाई दोपहर ढाई बजे से दो सत्रों में दो कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। पहले सत्र में प्रसिद्ध शिक्षाविद , राज्य अलंकरण प्राप्त साहित्यकार एवं नाट्यशास्त्री आचार्य डॉ महेश चन्द्र शर्मा की 8 वीं पुस्तक गागर में सागर पर समीक्षा संगोष्ठी होगी। लगभग पांच दशकों के पठन-पाठन, शोध और देश-विदेश के सफल सांस्कृतिक भ्रमणों के अनुभवों के सागर का सार इस किताब में है। इंदिरा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पुलिस चौकी के पास,रामनगर,सुपेला, भिलाई में होने वाले इस आयोजन में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कथाकार डॉ.परदेशीराम वर्मा होंगे वहीं वीणापाणि साहित्य समिति, दुर्ग के अध्यक्ष प्रदीप वर्मा अध्यक्षता करेंगे। साहित्य सृजन परिषद के अध्यक्ष एन.एल.मौर्य प्रीतम ने बताया कि श्रीमती प्रो.डॉ.नलिनी श्रीवास्तव एवं बेरला के वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ. राजेन्द्र पाटकर स्नेहिल के समीक्षात्मक आलेखों के प्रस्तुतीकरण होंगे।

जीई फाउंडेशन समाज में दे रहा अनुकरणीय योगदान: चाको

भिलाई। समाज सेवी संगठन गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन की साल भर की गतिविधियों से संदर्भित स्मारिका का विमोचन सोमवार को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के उपमहानिरीक्षक थॉमस चाको ने एक संक्षिप्त किंतु गरिमामय समारोह में किया। जीई फाउंडेशन की यह 8 वीं स्मारिका थी। इस दौरान फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने संस्था के कार्यों से उपस्थित लोगों को अवगत कराते हुए बताया कि समाज के वंचित व गरीब तबके के बच्चों के अलावा दिव्यांग बच्चों के कल्याण के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्य अतिथि चाको ने फाउंडेशन के कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि भिलाई आने के बाद उन्हें जीई फाउंडेशन की गतिविधियों में शामिल होने का मौका मिला।

भिलाई में भोले बाबा की बारात: बोलबम सेवा एवं कल्याण समिति ने तेज की तैयारियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महाशिवरात्रि के मौके पर भिलाई शहर में निकलने वाली विश्वविख्यात भोले बाबा की बारात की तैयारियां तेज कर दी गई है। 8 मार्च को हथखोज इंदिरा नगर से बाबा की बारात निकाली जाएगी। बोल बम सेवा एवं कल्याण समीति के अध्यक्ष दया सिंह ने भोले बाबा की बारात व्यवस्थित व भव्य रूप से निकालने के लिए अलग-अलग समितियों का गठन किया है। इसे लेकर रविवार को होटल अमित पार्क में बोल बम सेवा एवं कल्याण समीति की बैठक दया सिंह की अध्यक्षता में हुई।

बैठक के दौरान दया सिंह ने कोर ग्रुप सहित कोष सरंक्षण समिति, बारात स्वागत समिति,साज सज्जा की जिम्मेदारी, प्रशासनिक प्रभारी, झांकी व्यवस्था, आतिशबाजी व्यवस्था, भंडारा एवं महाभंडारा प्रभारी, बारात व्यवस्था, संगीत संध्या व्यवस्था प्रभारी सहित अन्य प्रभारियों की नियुक्ति की है। दया सिंह ने कहा है कि बाबा की बारात को भव्य व व्यवस्थित रूप से निकालने की जिम्मेदारी हम सभी की है। बारात के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो और हर वर्ष की इस वर्ष भी धूमधाम से बाबा की बारात निकाली जाए इसकी व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। बाबा की बारात में संपूर्ण पूजा व्यवस्था की जिम्मेदारी कान्हा महाराज पर होगी।

कोर ग्रुप में यह हैं शामिल

बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति की कोर ग्रुप में समिति के अध्यक्ष दया सिंह सहित सुनील गोयल, मुकेश शर्मा, प्रमोद सिंह, ब्रिजेन्द्र मिश्रा, प्रशांत कुमार, राकेश प्रसाद, रंजीत सिंह (राना), निर्मल सिंह, विनोद गुप्ता, नन्दू गुप्ता, गौरव घोरघाटे, उत्सव भोषले, संतोष सिंह चौहान, प्रदीप सोनी, बहल राम साहू, ओपी सिंह, पवन मिता, दिलावर यादव, जहीर खान, जमील अहमद, शिवलाल शर्मा, प्रकाश राज सिंह व जयदीप को रखा गया है।

बारात के कार्ड वितरक महिला समीति

बारात के कार्ड वितरक महिला समीति में मंजू मिश्रा, प्रभा सिंह, मधु कुमारी, पुष्पा सिंह, हेमलता बिसाई, लक्ष्मी चौहान, पुष्पा राव, राज कली देवी, बेबी शर्मा, बिलोतिन जायशवाल, शुशीला देवी, राधा देवी, नीतू गुप्ता, तारिणी शर्मा, रजविन्दर कौर, अनीमा शाहा, माया दास, प्रीती शर्मा, बबली समा, दिशा, अंजली पटेल, लक्ष्मीदेवी, सेवती, गुहियादेवी, सुभद्रा, सरस्वती, सुल्लावती, श्रीमति, सोहिला, देविका बाई, दुलेश्वरी वाई, सती बाई, कमला, तारा, विभा देवी, पूजा, रिंकी पटेल, गुरुमती, अन्नू बघेल, शकुन्तला शर्मा, रानी, मीरा जायसवाल, पी लता, पी नंदिनी, प्रेमा तिवारी, मुन्नी देवी, ज्योति चौधरी, राधा चौधरी, संगीता तिवारी आदि को शामिल किया गया है।

इन्हें मिली बारात व्यवस्था की जिम्मेदारी

बारात व्यवस्था के लिए बीरबल पाशवान, रत्नेश प्रसाद, हिमांशू शेंगर, गिलेश राव, के के शिरिश, किशोर मिर्जा, हरीश कुमार, नरेन्द्र कुमार, देवेन्द्र बाध, हिमांशू साहू, लोकेश, गनेश कुमार, अमन पाण्डेय, राकेश सोनानी, केशव प्रसाद, अश्वनी कुमार, कन्हैया लाल, जिस्नू नायर, जतिन, थॉमस, राकी साहू, हर्ष देवांगन, पिंटू प्रसाद, शेखर पाण्डे, सिंगारा सिंह, राजकुमार, भगवान दास, अर्जुन बाघ, मनीष पांडे, सत्य प्रकाश गुप्ता, विजय कुमार प्रताप, सोनू संघारे आदि को जिम्मेदारी दी गई है।

अलग-अलग समितियों में दी गई जिम्मेदारी

कोष संरक्षण समीति : मुकेश शर्मा, प्रमोद सिंह व रंजीत सिंह (राना)।

बारात स्वागत समीति: दया सिंह, सुनील गोयल, रतन अग्रवाल, श्री भगवान व विक्की अग्रवाल।

साज सज्जा: विनय शर्मा, प्रदीप पाण्डे, अभिषेक मिश्रा, ऋषि मिश्रा, संतोष गुप्ता व संतोष सिंह।

प्रशासनिक प्रभारी : अभिजीत विश्वास, प्रशांत, विवेक कौशल व अनंत सिंह।

झांकी व्यवस्था : शिशिर, प्रशांत, प्रकाश राज, विनोद गुप्ता, राकेश प्रसाद, गौरव घोरघाटे, मंगलम, रजनीश प्रसाद, विनय मानिकपुरी व राकी सिंह।

आतिशबाजी व्यवस्था: आभाश यादव, राबर्ट, प्रेमशंकर पासवान, शंकर राव, अभिषेक मिश्रा, राहुल, रवि कुमार शाह व मंगलम।

भंडारा एवं महा भंडारा प्रभारी: मान सिंह, पात्रो मिस्त्री, प्रदीप पाण्डेय, विनम शर्मा, संतोष सिंह, आशीष यादव, संतोष गुप्ता व बहल राम साहू (पूर्व पार्षद)।

बारात व्यवस्था: प्रमोद सिंह, बिजेन्द्र मिश्रा, राकेश प्रसाद, प्रशांत. मुकेश शर्मा, रंजीत सिंह राणा, संतोष गुप्ता, बन्टी गुप्ता, मादव, विवेक दुबे, यशवन्त, विनय मानिकपुरी, राकी साहू व महेश यादव।

संगीत संध्या प्रभारी: शिशिर सिंह, निर्मल सिंह, ब्रिजेन्द्र मिश्रा, अभिजीत विश्वास, प्रकाश राज सिंह, गौरव घोरघाटे, विवेक दुबे, कामदेव, यशवंत यादव, शीतल, पवन मिश्रा, सिंगारा सिंह, नन्दू गुप्ता, सन्तोष चौहान, दिलावर यादव व राजेश प्रसाद।

भिलाई स्टील प्लांट के यूनिवर्सल रेल मिल ने रेल प्रोफाइल में बनाया नया रिकॉर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की यूनिवर्सल रेल मिल ने एक बार फिर अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन दर्ज कर नया रिकॉर्ड हासिल किया है। 260 मीटर रेल पैनल का उत्पादन करने वाली मिल ने, 03 फरवरी, 2024 को प्रोफ़ाइल में रिकॉर्ड 3,835 टन (453 ब्लूम) का उत्पादन करके नया ''डे रिकॉर्ड'' हासिल किया है, जो 19 सितंबर, 2023 को बनाये 3,623 टन (428 ब्लूम) के पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन को पार कर गया है।

जनवरी 2024 के महीने में, यूआरएम ने क्रमश: 11,124 नग रोलिंग, 86,733 टन फिनिश्ड रेल उत्पादन, 82,439 टन प्राइम रेल उत्पादन और 5,184 वेल्डेड रेल पैनल में, अब तक का सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन रिकॉर्ड दर्ज किया है। जो दिसंबर 2023 के पिछले महीने में बनाये गए रिकॉर्ड को पार कर गया है। इसके अलावा, जनवरी 2024 के महीने के दौरान, यूआरएम ने 0.14 प्रतिशत के साथ न्यूनतम कॉबल्स का अब तक का सबसे अच्छा रिकॉर्ड हासिल किया है, जो अगस्त 2021 के महीने में 0.24 प्रतिशत के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से बेहतर है। मिल अब जल्द ही रेटेड क्षमता हासिल करने की राह पर है जिससे, भारतीय रेलवे की सभी मांगों को पूरा किया जा सकेगा। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार और प्लांट के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस उपलब्धि पर यूआरएम की टीम को बधाई दी और टीम को यूआरएम के सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु, इसी भावना के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही आने वाले वित्तीय वर्षों में, ऐसे कई नए रिकॉर्ड बनाने के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। इस उपलब्धि पर, मुख्य महाप्रबंधक (यूआरएम) विभागाध्यक्ष अनीश सेनगुप्ता ने यूआरएम की पूरी मिल बिरादरी को बधाई देते हुए कहा, कि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की उपलब्धि, यूआरएम कर्मियों की निरंतर निगरानी, कड़ी मेहनत और सम्बन्धित विभागों जैसे एसएमएस-3, ट्रैफिक, पीपीसी, आरसीएल, इंस्ट्रुमेंटेशन और इन्कॉस आदि के पूर्ण सहयोग और समर्थन से संभव हुई है। यूनिवर्सल रेल मिल का मुख्य ग्राहक भारतीय रेलवे है और यूआरएम का लक्ष्य उत्पाद की गुणवत्ता और मात्रा को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर 100 प्रतिशत ग्राहक संतुष्टि है।

उल्लेखनीय है कि यूआरएम और आरएसएम ने मिलकर जनवरी 2024 के महीने में भारतीय रेलवे को 260 मीटर पैनल की 107 रेकं भेजी हैं, जो अब तक किसी भी महीने में भेजे गए सबसे अधिक रेक की संख्या है। बीएसपी के यूआरएम में निर्मित 260 मीटर लंबे रेल पैनल देश के रेल नेटवर्क विस्तार और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

शहर वार्ड की सफाई व्यवस्था का जायजा लेने निकले आयुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर अल सुबह सिकोला भाठा क्षेत्र के निरीक्षण के लिए पहुँचे ।उन्होंने वार्ड क्रमांक 14 सिकोला भाठा स्कूल के आस-पास किराना दुकान व शिव मंदिर गली सहित सिकोला बस्ती में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया ।इस दौरान स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के अलावा सफाई अमला मौजूद रहें। शहर क्षेत्र की सफाई व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए आयुक्त मॉनिटरिंग करते है ।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर प्रतिदिन वार्डो में भ्रमण करते हुए सफाई व्यवस्था का निरीक्षण एवं रहवासियों से फीडबैक ले रहे है ।उन्होंने सफाई अमला से कहा कि सफाई व्यवस्था में जो भी कमियां दिखाई दिए उसे सुधारने के दिशा निर्देश दिये ।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने ग्रीन चौक,स्टेशन रोड़, गुरुद्वारा रोड इत्यादि क्षेत्रो का भ्रमण किया ।उन्होंने सिकोला भाठा सफाई व्यवस्था के दौरान वार्ड रहवासियों से कहा नल को व्यर्थ खुला न छोड़े,पानी भरने के बाद नल तुरंत बंद कर दे ।जहाँ नलों में टोटी नही लगी है।

टोटी लगवाने की बात कही। उन्होंने कहा कि गली, मोहल्लों के साथ ही प्रमुख सड़कों से कचरा प्रतिदिन उठाना सुनिश्चित करें। इस दौरान निगमायुक्त ने पब्लिक से भी फीडबैक लिया ।स्थानीय रहवासियों ने समस्याओं से आयुक्त को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था बनाए रखना सबकी नैतिक जिम्मेदारी है, सभी को साथ मिलकर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सहयोग करने की आवश्यकता है। कचरे को इधर-उधर न फेंककर निर्धारित डस्टबिन में ही डालकर सफाई कर्मचारियों को देने की अपील उन्होंने की है।

आवास और उज्जवला योजना के लिए लगी कतार आयुक्त ने पुरैना शिविर का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर के दूसरे चरण के तहत सोमवार को 9 हजार से अधिक महिला पुरूष शिविर स्थल पहुंचे। निगम के अंतिम छोर पुरैना और एचएससीएल कालोनी मरोदा में शिविर लगाया गया। निगम आयुक्त आशीष देवांगन ने दोनो स्थल का निरीक्षण कर हितग्राहियों को योजना के बारे में जानकारी दी।

दरअसल शिविर स्थल श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र है। काबिज निवास स्थल भिलाई इस्पात संयंत्र और रेलवे के क्षेत्राधिकार में है। पट्टा नहीं होने की वजह से निगम कर्मचारियों ने आम लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला योजना के अलावा प्रदेश सरकार की महत्वकांक्षी महतारी वंदन योजना के बारे में जानकारी दी। शिविर का उद्घाटन पार्षद ओमप्रकाश मिर्झा, रंजीता बेनुआ, पार्वती महानंद, सरिता देवांगन, रेखा देवी, विनय नेताम, गजेन्द्री कोठारी, ममता सिन्हा मण्डल अध्यक्ष शैलेन्द्र शेण्डे, राजू जंघेल, विक्की सोनी, दुर्गेश साहू, लक्ष्मण राव आदि लोग उपस्थित थे।

एच.एस.सी.एल. कालोनी स्टेशन मरोदा में आधार अपडेट कराने वालों की संख्या अधिक थी। यहां आधार अपडेट नहीं होने की वजह से योजनाओं का लाभ लेने में दिक्कत हो रही थी। आयुक्त की पहल पर शिविर स्थल पर आधार अपडेट करने वाले कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई गई। शिविर में कई ऐसे गरीब महिलाएं थी जिन्हें उज्जवला योजना का लाभ नहीं मिल रहा था। खाद्य विभाग द्वारा लगाए स्टाल में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की मदद से नि:शुल्क सिलेण्डर के लिए पंजीयन कराया गया।

शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित हुए कर्मचारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के आई एण्ड ए जोन में विगत दिनों षिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। आई एण्ड ए जोन में आयोजित शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्षित करने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को पाली शिरोमणि एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक प्रभारी संत कुमार केसकर ने की।

कर्म शिरोमणी
पुरस्कार वितरण समारोह

इस समारोह में अक्टूबर से दिसंबर 2023 तिमाही के लिए सहायक प्रबंधक अर्चित रावत को पाली षिरोमणि पुरस्कार से नवाजा गया। इसी कड़ी में माह अक्टूबर 2023 के लिए मास्टर ऑपरेटर सह तकनीशियन शिल्पेश भौमिक, नवंबर 2023 के लिए मास्टर ऑपरेटर सह तकनीशियन विजय शंकर राम तथा दिसंबर 2023 के लिए ऑपरेटर सह तकनीशियन विकास कुमार को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक रविषंकर, महाप्रबंधक बी मधु पिल्लई, महाप्रबंधक जी के कुन्डु, महाप्रबंधक (इंकास) उदय भकत, महाप्रबंधक एस आर जटरेले, उप महाप्रबंधक सुश्री मीना नायक एवं सहायक महाप्रबंधक सुश्री गीता उपस्थित रही। उपस्थित अतिथियों ने पुरस्कार विजेताओं को प्रवीणता प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह और कर्मचारी के जीवन साथी के लिए प्रषंसा पत्र प्रदान किया। समारोह में पुरस्कार विजेताओं के कार्यस्थल में योगदान एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों को सराहा गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक, कार्मिक कार्यालय गिरीष कुमार मढ़रिया तथा आभार प्रदर्षन श्री संतोष कुमार कटहरे द्वारा किया गया।

7वां खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में, 7 वां खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह 2023-24 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 11 फरवरी, 2024 को दोपहर 3 बजे से महात्मा गाँधी कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में अयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, चीफ कंट्रोलर आफमाइंस इंचार्ज पीयूष नारायण शर्मा थे तथा विशेष अतिथि के रूप में कंट्रोलर आफमाइंस डॉ वाय जी काले उपस्थित थे।

इस अवसर पर क्षेत्रीय खान नियंत्रक व खान पर्यावरण व खनिज संरक्षण सप्ताह 2023-24 के संरक्षक प्रेम प्रकाश, कार्यपालक निदेशक व खान पर्यावरण व खनिज संरक्षण सप्ताह 2023-24 के अध्यक्ष समीर स्वरुप, कार्यपालक निदेशक व खान पर्यावरण व खनिज संरक्षण सप्ताह 2023-24 के सह-अध्यक्ष बी के गिरी तथा निदेशक व खान पर्यावरण व खनिज संरक्षण सप्ताह 2023-24 के उपाध्यक्ष विनोद पिल्लई मंचासीन थे। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में क्षेत्रीय खनन भू-विज्ञानी व खान पर्यावरण व खनिज संरक्षण सप्ताह 2023-24 के संयोजक देवदुर्लभ दाश, उप-खान नियंत्रक दयानंद उपाध्याय तथा संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

अतिथियों के आगमन पर, छत्तीसगढ़ की पारम्परिक आदिवासी नृत्य, गेडी नृत्य एवं राउत नाचा के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद, अतिथियों ने महात्मा गाँधी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। मुख्य अतिथि द्वारा सुरक्षा ध्वज फहराया गया और खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह से सम्बंधित शपथ दिलाई गई। सुरक्षा शपथ के प्रतीक के रूप में आसमान में तिरंगे गुब्बारे छोड़े गए। इसके उपरांत मुख्य, अतिथि पीयूष नारायण शर्मा द्वारा प्रदर्शनी स्टॉल का उद्घाटन किया गया। जहाँ भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसम्पर्क विभाग ने उनका पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

यहाँ भिलाई इस्पात संयंत्र, सीएसआर, रावघाट, दल्लीराजहरा महिला समाज सहित एनएमडीसी, जिंदल, अदाणी, गोदावरी इस्पात, एसीसी जैसे विभिन्न निजी खदानों के स्टॉल लगाये गए थे। प्रदर्शनी में कुल 17 स्टॉल लगाये गए थे। इस कार्यक्रम का संचालन सुप्रियो सेन ने किया। इसके उपरांत अतिथियों ने समारोह हॉल के लिए प्रस्थान किया।

समापन समारोह के कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन, अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन और राष्ट्रगान के साथ किया गया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि पीयूष नारायण शर्मा ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में, खदान में श्रमिकों के योगदान को सराहते हुए, खान बिरादरी को प्राचीन भारतीय परंपरा में उद्धृत प्रकृति के साथ सामंजस्य की व्यवस्था को आत्मसात कर, समेकित खनन दृष्टिकोण अपनाने और खनन करने का सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने इस सप्ताह में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को शुभकामनायें प्रेषित की।

इस दौरान मुख्य अतिथि द्वारा खान पर्यावरण व खनिज संरक्षण सप्ताह 2023-24 पर प्रकाशित स्मारिका एवं बनाये गए कैलेंडर का विमोचन भी किया गया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का दौर चला जिसमें, एस आर जी ग्रुप की प्रस्तुति, छत्तीसगढ़ लोकनृत्यों की एक गुलदस्ता-रंगझांझर एवं राजहरा खदान के कर्मियो द्वारा नाटक प्रस्तुत किया गया। देवदुर्लभ दाश ने पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, स्टाल पुरस्कार, एमईएमसी सप्ताह पुरस्कार ए 1 - श्रेणी, ए 2 - श्रेणी, बी - श्रेणी, सी - श्रेणी तथा अन्य श्रेणी में पर्यावरण बंधु एवं थीम पुरस्कारों की घोषणा की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950